आर.एन.आई. नं. 37109/81 कोड संख्या DELHIN/11312 पृष्ठ 12 मूल्यः 2 ₹

डी. एल. (ई) 01/5155/2021-23

यू. (ई).11/2021-23 Posted at DRMS Delhi-6

www.rashtratimes.com • rashtratimes • email: rashtratimesnewspaper@gmail. com

मोदी का संविधान पर हमला

दिल्ली से प्रकाशित स्वतंत्र विचारों का सबसे बड़ा साप्ताहिक

राष्ट्र टाइम्स

संपादकः विजय शंकर चतुर्वेदी

वर्षः 44 ● अंकः 26 ● नई दिल्ली ● 30 जून से 06 जुलाई 2024

|| विजयशंकर चतुर्वेदी ||

सोनिया गांधी ने आपातकाल संबंधी टिप्पणी को लेकर प्रधानमंत्री पर 'संविधान पर हमला' का आरोप लगाया। संसद के पहले सत्र में उपसभापति पद और एनईईटी मुद्दे पर सरकार और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक के बीच कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा कि इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'टकराव को महत्व देते हैं', भले ही वे 'आम सहमति के मूल्य' का उपदेश देते हों।

द हिंदू में एक संपादकीय में सोनिया गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अभी भी लोकसभा चुनाव के नतीजों से उबर नहीं पाए हैं, जिसमें एनडीए कमजोर जनादेश के साथ सत्ता में वापस आया है। राज्यसभा सांसद ने कहा, "प्रधानमंत्री ऐसे काम कर रहे हैं, जैसे कुछ बदला ही नहीं है। वे आम सहमति के मूल्य का उपदेश देते हैं, लेकिन टकराव

को महत्व देते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "दुखद रूप से 18वीं लोकसभा के पहले कुछ दिन उत्साहजनक नहीं रहे। कोई भी उम्मीद कि हम कोई बदलाव देखेंगे, धराशायी हो गई है।"

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने कहा कि परंपरा के अनुसार लोकसभा में उपसभापति का पद विपक्ष को दिया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा, "यह पूरी तरह से उचित अनुरोध उस शासन द्वारा अस्वीकार्य पाया गया, जिसने 17वीं लोकसभा में उपाध्यक्ष के संवैधानिक पद को नहीं भरा था।"

जबकि भाजपा की सहयोगी एआईएडीएमके के एम थम्बी दुरई एनडीए सरकार के पहले कार्यकाल में उपाध्यक्ष थे, 2019-24 के बीच यह पद रिक्त था।

आपातकाल को उठाकर कांग्रेस के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाने वाली भाजपा

शेष पृष्ठ 2 पर

बिहारः 11 दिन में 5 पुलों ने ली जल समाधि

बिहार में एक के बाद एक पुल जल समाधि ले रहे है। पिछले 11 दिनों में 5 पुल गिर गए। ताजा मामला मधुबनी का है। इस इलाके के भूतही नदी पर निर्माणाधीन पुल का गर्डर (बीम) गिर गया। करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस पुल का निर्माण चार वर्षों से हो रहा है। कुल 75 मीटर लंबी निमार्णाधीन पुल का 25 मीटर हिस्सा धराशायी हो गया।

27 जून को (कल ही) किशनगंज जिले में एक पुल गिर गया था। किशनगंज के जिलाधिकारी तुषार सिंगला ने बताया कि बहादुरगंज प्रखंड में स्थित यह पुल 70 मीटर लंबा और 12 मीटर चौड़ा था. यह पुल 2011 में कनकई नदी को महानंदा से जोड़ने वाली एक छोटी सहायक नदी मड़िया पर बनाया गया था।

कुछ दिनों पहले 22 जून को सीवान जिले में एक छोटा पुल ढह गया था। इससे पहले बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में 23 जून को एक निमार्णाधीन छोटा पुल ढह गया था। यह घटना मोतिहारी के घोड़ासहन प्रखंड में हुई। अमवा गांव को प्रखंड के अन्य क्षेत्रों से जोड़ने के लिए राज्य के ग्रामीण निर्माण विभाग (आरडब्ल्यूडी) द्वारा नहर पर 16 मीटर लंबा पुल बनाया जा रहा था। 22 मार्च

शेष पृष्ठ 2 पर

सोरेन को जमानतः मेरे खिलाफ साजिश रची गई

|| डॉ. प्रदीप चतुर्वेदी ||

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दिए जाने के बाद रांची की बिरसा मुंडा जेल से बाहर आ गए।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हम देख रहे हैं कि कैसे न्यायिक प्रक्रिया में दिन-महीने नहीं बल्कि सालों लग रहे हैं। जो लड़ाई हमने शुरू की और जो संकल्प हमने किए हम उन्हें पूरा करने के लिए काम करेंगे। आज ये पूरे देश के लिए संदेश है कि कैसे हमारे खिलाफ

साजिश रची गई। जमानत पर रिहा होने के बाद झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि विगत 5 महीनों के बाद मैं जेल से बाहर आया हूं। पिछले 5 महीने झारखंड के लिए चिंताजनक रहे। पूरा देश जानता है कि मैं जेल क्यों गया था। अंत में कोर्ट ने अपना न्याय सुनाया है उसी के तहत मैं आज जेल से बाहर हूं मैं कोर्ट का सम्मान करता हूं।

अपनी गिरफ्तारी के समय, सोरेन ने अपने खिलाफ जमीन हड़पने के आरोपों से दृढ़ता से इनकार किया था और कहा था कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला थोपा था। झारखंड के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ ही मिनट बाद उन्हें 31 जनवरी को रांची राजभवन से गिरफ्तार कर लिया गया था। 22 जून को प्रवर्तन निदेशालय ने सोरेन और अन्य के खिलाफ कथित भूमि हड़पने से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत रांची में छापे के बाद 1 करोड़ रुपये नकद और

शेष पृष्ठ 2 पर

विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद ही नहीं जनता की लड़ाई लड़ने की जिम्मेदारी

|| उमेश जोशी ||

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, यह जनता की आवाज बनकर जनता के हितों और अधिकारों की लड़ाई लड़ने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

राहुल गांधी ने कहा, "हमारा संविधान गरीबों, वंचितों, अल्पसंख्यकों, किसानों, मजदूरों का सबसे बड़ा हथियार है। हम उस पर किए गए हर हमले का पूरी ताकत से जवाब देकर उसकी रक्षा करेंगे। मैं आपका हूं और आपके लिए ही हूं। देश की जनता, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का मुझ

पर भरोसा जताने के लिए दिल से धन्यवाद।"

वहीं, कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में हरियाणा के नेताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हरियाणा के किसानों और नौजवानों को भाजपा ने धोखा दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्टी के सभी नवनिर्वाचित सांसदों व हर एक कांग्रेस कार्यकर्ता को हरियाणा में मिली जीत की बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को राज्य की सभी छत्तीस बिरादरी के लोगों का विश्वास हासिल करना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के 10 वर्षों के शासन ने हरियाणा के विकास को रोक दिया है। हरियाणा में हुई सैकड़ों भर्ती परीक्षाओं में धांधली हुई है। किसानों पर घोर अत्याचार हुए हैं और लाठियां बरसाई गई हैं। राज्य में दलितों, पिछड़ों पर अत्याचार हुए हैं, महिलाओं पर अत्याचार हुए हैं, अपराधों में तेजी आई है। हरियाणा में कुशासन है। इसी के चलते हरियाणा विकास के रास्ते से भटक गया है। हरियाणा में कोई नया इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बना। पावर सेक्टर में एक यूनिट बिजली भी नहीं जोड़ी गई।

शेष पृष्ठ 2 पर

यूजीसी-नेट परीक्षा के लिए नई तारीख की हुई घोषणा

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) ने नेट एग्जाम को लेकर महत्वपूर्ण तिथियों की घोषणा की है। एनटीए ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) 2024 जून सत्र के लिए संशोधित तिथियां जारी कीं, कथित प्रश्न पत्र लीक के कारण पहले से निर्धारित परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

एनटीए द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, एनसीईटी 2024 परीक्षा 10 जुलाई को आयोजित की जाएगी, जबकि संयुक्त सीएसआईआर यूजीसी नेट 25 से 27 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। यूजीसी नेट जून 2024 चक्र को 21 अगस्त से 4 सितंबर के बीच आयोजित करने के लिए पुनर्निर्धारित किया गया है।

एनटीए ने "आगामी परीक्षाओं के लिए एनटीए परीक्षा कैलेंडर" शीर्षक से एक नोटिस जारी किया, जिसमें उम्मीदवारों को नई तिथियों और परीक्षा के तरीके के बारे में जानकारी दी गई। शुरुआत में पेन और पेपर

शेष पृष्ठ 2 पर

संपादकीय

मोदी के सिर पर कांटों का ताज

तीसरी बार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिर पर कांटों का ताज है। नरेंद्र मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री बने रहे। 10 साल केंद्र में प्रधानमंत्री रहे। नरेंद्र मोदी की सत्ता का यह 24वां साल है। 23 साल तक मोदी का सत्ता में एकछत्र राज रहा है। 23 साल तक सदन में उनके पास पूर्ण बहुमत था। पहली बार वह अल्पमत की सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। विपक्ष इस समय जोश से भरा हुआ है। भले उसके पास स्पष्ट बहुमत ना हो। लेकिन उसमें इतनी ताकत है, कि वह सरकार से पूरी ताकत से मुकाबला कर सके। सदन के अंदर अब सत्ता पक्ष मनमानी नहीं कर सकेगा। बहुमत के आधार पर कानूनो को हो-हल्ले के बीच पास नहीं करा पाएंगे। कानून पास कराने के पहले सदन के अंदर चर्चा भी करानी होगी। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर भी दबाव होगा, सरकार द्वारा जो भी बिल सदन में पेश किए जा रहे हैं, वह नियम और कानून के तहत पेश हों। उन पर विधिवत चर्चा हो। चर्चा होने के बाद मतदान हो। उसी के बाद बिलों की स्वीकृति प्रदान की जाए। पिछले 10 वर्षों में कई कानून नियम विरुद्ध सदन में पेश किए गए। सदन से उन्हें अध्यक्ष ने पास भी करा दिया। मनी बिल के रूप में ऐसे बहुत सारे नियम और कानून बनाए गए। जो मनी बिल के रूप में सदन के अंदर स्वीकृत ही नहीं हो सकते थे। पिछले 10 साल में संसद सदस्यों के अधिकार भी सदन के अंदर कम हुए हैं। सरकार के मुकाबले सदन के अधिकार सरकार के पास चले गए। बहुत सारे कानून बिना किसी चर्चा के ध्वनि मत से पारित करा दिए गए। तीन अपराध कानून भी उसी श्रेणी में आते हैं। विपक्षी सांसदों को निष्कासित कर सदन में कुछ मिनटों के अंदर ध्वनि मत से कानूनों को पास करा दिया गया। इससे अध्यक्ष पद की साख भी पहले की तुलना में काफी कमजोर हुई है। अब विपक्ष के पास सदन के अंदर ताकत है। अध्यक्ष भी सदन के अंदर विपक्ष की ताकत को अनदेखा नहीं कर सकता है। सदन के अंदर जो भी बिल पेश किए जाएंगे, वह नियम के अंतर्गत सरकार को अध्यक्ष की अनुमति से पेश करने होंगे। ऐसे बिलों पर संसद के अंदर बहस भी होगी। सभी सांसदों को बोलने का मौका मिलेगा। मोदी सरकार ने 10 साल में जो कानून पारित कराए हैं। उनको लेकर विपक्ष समय-समय पर अपनी नाराजी जताता रहा है। संसदीय परंपराओं का पालन नहीं किया गया। मजदूरों से संबंधित श्रम कानून, न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून, 3 अपराध कानून, दिल्ली सरकार के अधिकारों पर कटौती, चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून और मनी बिल के तहत जो कानून पास कराए जा रहे थे। संसद में विपक्ष की जो अनदेखी सरकार द्वारा की जा रही थी। अब उन सारे मामले में टकराव बनना तय है। संशोधन या अन्य माध्यमों से विपक्ष चर्चा करने की हर संभव कोशिश करेगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ेगा। 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र में विपक्ष पेपर लीक, अग्नि वीर, मणिपुर, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार को तगड़ी चुनौती देता हुआ दिख रहा है। सरकार ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर भी विपक्ष के साथ सहमति बनाने का कोई प्रयास सरकार द्वारा नहीं किया गया। जिसके कारण स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार अध्यक्ष पद के लिए लोकसभा में चुनाव हुआ। जिस तरह की स्थितियां लोकसभा में बनती दिख रही हैं, उसमें एक ज्योतिषी जो इन दिनों देश एवं दुनिया में बड़े चर्चित हैं, उनका नाम है- राजीव नारायण, जिन्होंने भविष्यवाणी की है। भाजपा के खिलाफ जन असंतोष बढ़ेगा। विपक्षी दलों का विरोध भी बढ़ेगा। भाजपा के अंदर ही बगावत होगी। भाजपा के लिए अपनी सत्ता बनाए रखना बड़ा मुश्किल होगा। उसी तरह की स्थिति सदन के अंदर बनती हुई दिख रही है। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सहयोगी दलों और भाजपा के ही वरिष्ठ नेताओं से जिस तरह की चुनौती मिल रही है, उससे मोदी के लिए सत्ता में बने रहना, दिन प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। उड़ीसा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जरूर बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन पटनायक के साथ जो विश्वासघात का खेला किया है, उसके कारण नवीन पटनायक भी अब उनके खिलाफ खड़े हो गए हैं। उड़ीसा का असर अन्य क्षेत्रीय राजनीतिक दलों पर भी पड़ रहा है। रही सही कसर अयोध्या और राम मंदिर पूरी कर रहे हैं। मुख्य सहयोगी दलों को सरकार में महत्वपूर्ण विभाग नहीं दिए गए। अध्यक्ष पद भी उन्हें नहीं दिया गया। जिसके कारण सहयोगी दलों से भी सरकार को चुनौती मिल रही है। अयोध्या के रेलवे स्टेशन की एक दीवार टूट गई। अयोध्या का मुख्य मार्ग अटल पथ ढह गया। राम मंदिर की छत से पानी रिसने लगा। गर्भ ग्रह में पानी भर गया। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कहीं से भी अच्छे समाचार नहीं आ रहे हैं। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने अस्तित्व को बचाए रखने की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। देखना यह है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैसे अपनी सत्ता को बचाए रखते हैं।

पृष्ठ 1 का शेष

मोदी का संविधान पर हमला

के साथ, सोनिया गांधी ने कहा कि संविधान पर हमले से ध्यान हटाने के लिए प्रधानमंत्री ने इस मुद्दे को उठाया है। गांधी ने कहा कि यह "आश्चर्यजनक" है कि इसे अध्यक्ष द्वारा भी उठाया गया, "जिनकी स्थिति सख्त निष्पक्षता के अलावा किसी भी सार्वजनिक राजनीतिक रुख के साथ असंगत है"।

उन्होंने कहा, "यह इतिहास का एक तथ्य है कि मार्च 1977 में हमारे देश के लोगों ने आपातकाल पर एक स्पष्ट फैसला दिया था, जिसे बिना किसी हिचकिचाहट और स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया था। तीन साल से भी कम समय बाद, मार्च 1977 में पराजित हुई पार्टी फिर से सत्ता में लौट आई, और मोदी और उनकी पार्टी को कभी भी बहुमत नहीं मिला, यह भी उस इतिहास का एक हिस्सा है।" राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए आपातकाल का भी जिक्र किया, जहां उन्होंने इसे "सबसे काला अध्याय" और "संविधान पर सीधा हमला" कहा।

फोटो : कमलजीत सिंह

नीट पेपर लीक मामला

नीट पेपर लीक पर नीट पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर निशाना साधते हुए सोनिया गांधी ने कहा कि इस घोटाले ने हमारे लाखों युवाओं के जीवन पर कहर बरपाया है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री जो 'परीक्षा पे चर्चा' करते हैं, वे लीक पर स्पष्ट रूप से चुप हैं, जिसने देश भर में इतने सारे परिवारों को तबाह कर दिया है।" कांग्रेस सांसद ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विश्वविद्यालयों जैसे शैक्षणिक संस्थानों की "व्यावसायिकता" को "गहरा नुकसान" पहुँचा है।

मणिपुर जातीय हिंसा पर

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने मई 2023 में राज्य में जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से संघर्षग्रस्त मणिपुर का दौरा न करने के लिए प्रधानमंत्री पर भी हमला किया। कुकी और मैतेई समुदायों के बीच संघर्ष के कारण सैकड़ों लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। गांधी ने लिखा, "इस सबसे संवेदनशील राज्य में सामाजिक सद्भाव बिखर गया है। फिर भी, प्रधानमंत्री को न तो राज्य का दौरा करने का समय मिला है और न ही इच्छा, न ही वे इसके राजनीतिक नेताओं से मिलने की इच्छा रखते हैं।"

बिहार: 11 दिन में 5 पुलों ने ली जल समाधि

2024 को सुपौल में कोसी नदी पर निर्माणाधीन बकौर-भेजा घाट पुल ढह गया था। भारत माला योजना के तहत इसका निर्माण हो रहा था। 1200 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण किया जा रहा था। बकौर-भेजा घाट पुल सामरिक नजरिए से भी बेहद अहम है। इसी तरह 4 जून 2023 को सुल्तानगंज से खगड़िया के अगुवानी गंगा घाट पर निर्माणाधीन पुल के पिलर नंबर 10, 11 और 12 अचानक गिरकर नदी में बह गए थे।

19 मार्च 2023 को बिहार के सारण जिले में एक पुल गिर गया था। बताया जाता है कि यह पुल अंग्रेजों के जमाने का था। बाढ़ के बाद पुल जर्जर हो गया था और कई जगहों पर दरारें आ गईं थीं। विभाग के लापरवाही के कारण यह पुल गिर गया। जर्जर पुल को लेकर विभाग की ओर से कोई चेतावनी भी जारी नहीं की गई थी। 19 फरवरी 2023 को पटना के बिहटा में सरमेरा में फोन लेन पुल गिर गया था। वहीं बिहार के दरभंगा जिले के कुशेश्वर स्थान में कमला बलान नदी के सबोहल घाट पर ओवरलोड ट्रक की चपेट में आने से पुल गिर गया था।

15 मई 2023 को पूर्णिया में एक बड़ा हादसा हुआ था। यहां एक पुल का एक बॉक्स ढलाई के दौरान गिर गया था। जुलाई 2022 में बिहार के कटिहार जिले में भी एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था और पुल गिरने से 10 मजदूर घायल हो गए थे। 18 नवंबर 2022 को बिहार के नालंदा जिले में एक निर्माणाधीन पुल गिर गया था। पुल गिरने से 1 की मौत हो गई थी। बाताया जाता है कि यह पुल घटिया निर्माण के कारण गिर गया था। 9 जून 2022 को बिहार के सहरसा में एक पुल गिरने से कई मजदूर घायल हो गए। बख्तियारपुर के कंडुमेर गांव में पुल गिरने से कई लोग दब गए थे। मजदूर पुल पर काम कर था। इसी दौरान पुल गिर गया और मजदूर मलबा में दब गया। हालांकि, बाद में उसे बचा लिया गया। पटना के फतुहा में 20 मई 2022 को अधिर बारिश के कारण एक पुल गिर गया था. यह पुल 1984 में बना था। वहीं, 30 अप्रैल 2022 को भागलपुर-खगड़िया में एक सड़क पुल गिर गया था।

सोरेन को जमानत: देश जानता है...

100 जिंदा गोलियां जब्त कीं। सोरेन ने उच्च न्यायालय से मामले की तेजी से सुनवाई करने का अनुरोध किया था।

इस बीच, राज्य की झामुमो नीत सरकार में मंत्री और सोरेन के छोटे भाई बसंत सोरेन पार्टी के केंद्रीय महासचिव बिनोद पांडेय के साथ जमानत मुचलका भरने की औपचारिकताएं पूरी करने के लिए दीवानी अदालत पहुंचे। जमानत मुचलके विशेष पीएमएलए न्यायाधीश राजीव रंजन की अदालत में प्रस्तुत किए जाएंगे। सोरेन की वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने इससे पहले दलील दी थी झिझामुमो नेता को अनुचित तरीके से निशाना बनाया गया है।

विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद...

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का नाम लिए बिना कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब 9 साल के विफल मुख्यमंत्री को मोदी जी ने देश का ऊर्जा मंत्री बना दिया है। अग्निपथ योजना से हरियाणा के वीर देशभक्त जवानों के भविष्य से खिलवाड़ हुआ है। पीएम मोदी ने अन्नदाता किसानों का एमएसपी डेढ़ गुना करने का वादा हरियाणा में ही किया था, पर आज तक पूरा नहीं हुआ। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि 'बेटी बचाओ' योजना भी हरियाणा में शुरू हुई थी, पर हमारे ओलंपिक चैंपियंस को अपने सम्मान के लिए सड़कों पर धरना देना पड़ा। इससे दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है। हम सब को एकजुट होकर जनता की आवाज बुलंद करनी है।

यूजीसी-नेट परीक्षा के लिए नई तारीख की हुई घोषणा

मोड में आयोजित होने वाला यूजीसी नेट जून 2024 चक्र अब कंप्यूटर-आधारित टेस्ट (सीबीटी) प्रारूप में ली जाएगी।

इस महीने की शुरूआत में, 18 जून को आयोजित यूजीसी-नेट परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें सामने आने के बाद जांच की गई थी, जिसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने अगले दिन परीक्षा रद्द कर दी थी। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक प्रेस वार्ता के दौरान पुष्टि की कि यह निर्णय इस बात की पुष्टि के बाद लिया गया कि लीक हुआ प्रश्नपत्र मूल प्रश्नपत्र से मेल खाता है। उन्होंने परीक्षा की शुचिता पर चिंता जताई।

प्रधान ने कहा, "यूजीसी-नेट का प्रश्नपत्र डार्कनेट पर खोजा गया था, जो मूल प्रश्नपत्र से मिलता-जुलता था।"

उन्होंने डार्क वेब की गुप्त प्रकृति पर प्रकाश डाला, जहां गुमनामी और अज्ञात लेनदेन प्रचलित हैं। घटना पर चिंता जताते हुए प्रधान ने आश्वासन दिया कि उल्लंघन के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने दोषरहित परीक्षा प्रक्रिया बनाए रखने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने एनटीए के परिचालन ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की भी घोषणा की। आगे की जानकारी और अपडेट के लिए, उम्मीदवारों को आधिकारिक एनटीए वेबसाइट देखने की सलाह दी जाती है।

कांग्रेस ने शुरू की 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

लोक सभा चुनावों के बीच में ही प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के तौर पर कमान संभालने वाले देवेंद्र यादव चुनाव खत्म होते ही पार्टी की सभी इकाइयों से मीटिंग कर उनको मजबूती देने और मूलभूत कमियों को दूर करने के लिए लगातार प्रयासरत दिखाई दे रहे हैं। इसी कड़ी में देवेंद्र यादव ने करावल नगर जिला कांग्रेस के कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक ली। इस बैठक में उत्तर पूर्वी विधान सभा पूर्व प्रत्याशी डॉ कन्हैया कुमार, पूर्व विधायक हसन अहमद, जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज की उपस्थिति में मंत्रोचारण उपरांत दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ कर कार्यकारिणी के तीन प्रस्ताव पास करते हुए देवेंद्र यादव ने कहा कि अब से प्रत्येक माह की 5 तारीख को जिला स्तर पर और 2 तारीख को ब्लॉक स्तर पर मासिक बैठक की जाया करेगी ताकि आपसी संवाद और समन्वय स्थापित कर पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान की जा सके। सभी कार्यकताओं को अपने अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाना अनिवार्य रहेगा और अपने अपने क्षेत्र के सामाजिक संगठनों, RWA और NGO से संवाद कर पुनः अपने साथ जोड़ा जाए क्योंकि जैसे जैसे कांग्रेस सत्ता से दूर होती गई इस तरह की संस्थाएं हमारे से दूर होती चली गई। क्योंकि नकारात्मक राजनीति करने वाली भाजपा और झूठी राजनीति करने वाली आम आदमी पार्टी ने पिछले 10 वर्षो से दिल्ली के विकास को लेकर आरोप प्रत्यारोप के अलावा कोई काम नहीं किया। चाहे बात शिक्षा की हो, जलापूर्ति की हो, बिजली की हो या फिर दिल्ली की साफ सफाई और रख रखाव की बात हो।

कन्हैया कुमार ने भी अपने संबोधन में युवाओं के भविष्य को अंधकारमय कर देने का आरोप लगाते हुए भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह लगातार पेपर लीक हो रहे हैं उससे छात्रों और उनके माता पिताओं के मन में बहुत आक्रोश है। रोजगार ना मिलने से युवा पहले ही मायूस थे उस पर NEET और CSIR UGC- NET " जैसी अहम प्रवेश परीक्षा के लीक होने से युवा अपने आप को ठगा महसूस कर रहा है। जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने दिल्ली सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि दिल्ली बूंद बूंद पानी को तरस रही है लेकिन जलापूर्ति मंत्री एक स्क्रिप्टेड अनशन का नाटक कर दिल्ली के लोगो की भावनाओं से खिलवाड़ कर रही हैं। दिल्ली पानी के अभाव में प्यासी तो थी ही कि अब बिजली के लंबे लंबे कट लगने शुरू हो गए हैं। मानसून सिर पर आ गया है लेकिन अभी तक नालों की गाद निकालने का काम भी नही हो पाया है, जिस समस्या को मैने खुद कई बार मुख्यमंत्री कार्यालय से लेकर उपराजपाल जी को पत्रकार द्वारा संज्ञान में लाने का प्रयास किया लेकिन नतीजा अभी तक जीरो रहा है। क्योंकि भाजपाई सांसदों और आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने कभी जनता के हितों को सर्वोपरि नही समझा नतीजा दिल्ली आज बेबसी के आंसू रोने को मजबूर है।

इस बैठक में पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. एस पी सिंह, अरविन्द सिंह, जितिंदर भगेल, पूर्व सचिव एआईसीसी, अलीमैहदी, प्रमोद त्यागी, पूर्व चेयरमैन ईश्वर बाँगड़ी, अशोक भार्सीन, खुस्नूद पार्षद, जावेद चौधरी पार्षद, मंगेश त्यागी, जगनंदन त्यागी, अनिल शर्मा पूर्व निगम पार्षद, खेमचंद सैनी, रविंद्र त्यागी, उमा शर्मा, राजीव राणा, सुनहरी अनुराग, नन्वा प्रधान, ओंकार डींगिया, श्याम सिंह सिसोदिया, ललित गौड़, आर पी झा, तपन झा, सुरेंद्र कोच, परवीन भाड़ना, चंदन चौबे, सुरेश दाहिया, वीना भट, राम निवास यादव शेज्द खान कालीचरण पवार चेयरमैन, सुखबीर, जगदीश सोदा सचिव, कुलदीप जोशी, रामबिलास शर्मा, राकेश ठाकुर, इऊ शर्मा, नरेश पाल पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी, मुनेश पाल, अब्दुल कय्यूम, डॉक्टर वी आर चौधरी, नेत्रपाल ,आरिया, फकीर चंद, तारा भाई, अशोक भगेल, मेवाराम भारद्वाज, बॉबी, एम एल निगम, मदन लाल शर्मा, रोशन लाल, प्रदीप शर्मा, पीएस रावत, बलजीत शर्मा, मुकेश पाल, वीर सिंह, रवि शंकर सुबास चक्रवर्ती विजय नार्यन तिवारी हरि पंडित के साथ कार्यकारिणी के अन्य सभी लोग उपस्थित रहे।

आप सासंदों का संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

फोटो : राजीव गुप्ता

आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्यों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से पहले संसद परिसर में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध किया। आप सांसदों ने "ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग बंद करो" और "तानाशाही नहीं चलेगी" जैसे नारे लिखी तख्तियां लेकर संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करने की घोषणा की, इसे तीसरी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के गठन के बाद पहला राष्ट्रपति अभिभाषण माना जा रहा है। आप नेता संदीप पाठक ने न्याय की आड़ में तानाशाही कार्यों के खिलाफ विरोध करने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, "राष्ट्रपति और संविधान सर्वोच्च हैं और जब न्याय के नाम पर तानाशाही की जाती है, तो आवाज उठाना महत्वपूर्ण है।"

उन्होंने कहा कि पार्टी राज्यसभा में अपनी असहमति व्यक्त करेगी। पाठक ने कहा, "आज हम दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ राज्यसभा में विरोध प्रदर्शन करेंगे और राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करेंगे। राष्ट्रपति और संविधान सर्वोच्च हैं और जब न्याय के नाम पर तानाशाही की जाती है, तो अपनी आवाज उठाना महत्वपूर्ण है।" पाठक ने स्पष्ट किया कि विरोध करने का निर्णय 'आप' द्वारा भारत गठबंधन में अन्य दलों के साथ समन्वय किए बिना स्वतंत्र रूप से लिया गया था।

उन्होंने कहा, "हमने इस बारे में भारत गठबंधन के शेष दलों के साथ चर्चा नहीं की, लेकिन हमारी पार्टी राष्ट्रपति के अभिभाषण का बहिष्कार करेगी।" दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने केजरीवाल को आबकारी नीति मामले से संबंधित तीन दिनों की सीबीआई रिमांड का आदेश दिया। अवकाशकालीन न्यायाधीश अमिताभ रावत ने दोनों पक्षों की दलीलों पर विचार करने के बाद केजरीवाल की 29 जून, 2024 तक सीबीआई रिमांड की अनुमति दी। रिमांड के दौरान केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को रोजाना 30 मिनट उनसे मिलने की अनुमति होगी और उनके वकील की भी रोजाना 30 मिनट की मुलाकात होगी। इसके अलावा, केजरीवाल रिमांड अवधि के दौरान अपनी निर्धारित दवाएं साथ रख सकते हैं।

अदालत की सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने अपना बचाव करते हुए तर्क दिया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप मनगढ़ंत हैं और उनका उद्देश्य उनकी और उनकी पार्टी की प्रतिष्ठा को धूमिल करना है। उन्होंने कहा, "सीबीआई दावा कर रही है कि मैंने मनीष सिसोदिया के खिलाफ बयान दिया है, जो पूरी तरह से झूठ है। मनीष सिसोदिया निर्दोष है, आम आदमी पार्टी निर्दोष है। मैं भी निर्दोष हूं। इस तरह के बयानों को हम मीडिया में बदनाम करने के लिए दिए जा रहे हैं।"

उन्होंने कथित मीडिया हेरफेर पर भी जोर दिया। "सीबीआई सूत्रों के हवाले से मीडिया में हम बदनाम कर रहे हैं। इनका प्लान है कि मीडिया फ्रंट पेज पर यह चला दे कि केजरीवाल ने सारा ठीकरा मनीष सिसोदिया पर डाल दिया।" जवाब में अदालत ने टिप्पणी की, "मैंने आपका बयान पढ़ा है... आपने ऐसा नहीं कहा है।"

फोटो : मो. इलियास

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, महासचिव वेणुगोपाल राहुल गांधी को संसद में विपक्ष का नेता चुने जाने पर बधाई देते हुए।

कानून नहीं तानाशाही है- ये इमरजेंसी है
सुनीता केजरीवाल

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं और इस बात पर जोर दिया कि यह सब "तानाशाही" और "आपातकाल" के समान है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि जब केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की संभावना थी, तो भाजपा घबरा गई और उन्हें "फर्जी मामले" में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया।

सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि 20 जून अरविंद केजरीवाल को बेल मिली। तुरंत ED ने स्टे लगवा लिया। अगले ही दिन CBI ने आरोपी बना दिया। और गिरफ़्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाये। ये कानून नहीं है। ये तानाशाही है, इमरजेंसी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया और भ्रष्टाचार मामले में आप के राष्ट्रीय संयोजक की पांच दिन की हिरासत मांगी।

ईडी द्वारा जांच की जा रही उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल 1 अप्रैल से जेल में हैं। 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की अंतरिम जमानत दे दी थी. वह 2 जून को जेल लौट आए। उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा इसके निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद जुलाई 2022 में केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 को वापस ले लिया गया था।

मैं हर मोर्चे पर कांग्रेस के साथ : ममता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, अब एक परिपक्व नेता और कुशल समन्वयक के तौर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा करके मतदाता को पार्टी से जोड़ने में कामयाबी हासिल की, तो एक कुशल रणनीतिकार होने का प्रमाण भी दिया। इसके अलावा दलों और नेताओं को एकजुट करने में भी राहुल गांधी सफल हो रहे हैं। इसकी बानगी लोकसभा के स्पीकर चुनाव में देखने को मिली। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कांग्रेस से खफा थीं। उन्होंने अपनी नाराजगी भी जाहिर कर दी थी। पार्टी के दूसरे नेताओं का मानना था कि दीदी को मना पाना इतना आसान नहीं है। कोई उनसे बात करने को भी तैयार नहीं था, उन्हें लग रहा था कि दीदी नहीं मानीं तो पूरे किए कराए पर पानी फिर जाएगा। इसके बाद खुद राहुल गांधी ने मोर्चा संभाला और सीएम ममता बनर्जी से फोन पर आधा घंटे बात की। बताया गया कि दीदी राहुल गांधी की हर एक बात से सहमत हो गईं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि टीएमसी हर एक मोर्चे पर कांग्रेस के साथ खड़ी है।

18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र में ही विपक्षी गठबंधन में तकरार दिखने लगी थी। स्पीकर पद के लिए इंडिया अलायंस ने के. सुरेश को मैदान में उतारकर मोदी सरकार को चुनौती दी थी। कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया अलायंस एनडीए को मात देने की पूरी कोशिश में था। इंडिया अलायंस के कैंडिडेट के सुरेश को विपक्षी सांसदों का साथ

मिले, इसके लिए कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ी। यही वजह है कि जैसे ही कांग्रेस को ममता की नाराजगी की खबर लगी, तुरंत राहुल गांधी ने मोर्चा संभाल लिया। राहुल गांधी ने आनन-फानन में ममता बनर्जी को फोन घुमाया और करीब 30 मिनट तक बातचीत करके उन्हें मना लिया। दरअसल, कांग्रेस ने के. सुरेश को स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया था। आनन-फानन में इंडिया अलायंस का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ममता बनर्जी की टीएमसी कांग्रेस से खफा हो गई। टीएमसी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के स्पीकर कैंडिडेट को लेकर उससे राय नहीं ली गई। यही वजह है कि टीएमसी ने समर्थन पत्र पर साइन नहीं किया था। टीएमसी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपनी मर्जी से के. सुरेश को मैदान में उतारने का फैसला कर लिया।

राहुल गांधी ने तुरंत ममता बनर्जी को फोन किया। राहुल गांधी और ममता बनर्जी के बीच करीब आधे घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। इस बातचीत के दौरान स्पीकर के चुनाव को लेकर भी बातचीत हुई। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने के. सुरेश के नामांकन के बारे में पहले न बताने के लिए टीएमसी से माफी मांगी। इसके बाद ममता बनर्जी मान गईं और इंडिया ब्लॉक की बैठक में टीएमसी के 2 सीनियर नेताओं को भेजने का फैसला किया। इससे पहले राहुल गांधी ने लोकसभा में अभिषेक बनर्जी से भी चर्चा की थी। इसके बाद ममता ने फैसला लिया है कि टीएमसी इंडिया अलायंस के कैंडिडेट के सुरेश का समर्थन करेगी।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के फोन के बाद ही ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में टीएमसी नेताओं को भेजा। हालांकि, टीएमसी ने कांग्रेस से साफ कहा कि वो बेहतर समन्वय और संवाद की अपेक्षा करती है। टीएमसी इस बात से नाराज है कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर के सुरेश के नामांकन से पहले कांग्रेस ने उससे बात नहीं की। अभिषेक बनर्जी ने खुलकर कांग्रेस के फैसले को एकतरफा बता दिया था। इसके बाद राहुल ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की। टीएमसी सूत्रों का मानना है कि ममता बनर्जी संसदीय परंपराओं में विश्वास करती हैं।

एनडीए सरकार नीट घोटाले को छुपाने की कोशिश कर रही है

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने एनडीए सरकार पर निशाना साधा। उनका कहना है कि नीट घोटाला देश का सबसे बड़ा मुद्दा है, लेकिन सरकार इसे छुपाने की कोशिश कर रही है। सचिन पायलट ने अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि नीट घोटाले के कारण लाखों युवा सदमे में हैं।

शुरूआत में सरकार का रवैया अड़ियल था, लेकिन बाद में अपनी गलती मान ली। अब जिस तरह से मामले को छुपाने का काम किया जा रहा है, वह ठीक नहीं है।

उन्होंने कहा, "स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार हमारे देश में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या सबसे ज्यादा है। सरकार को इस चुनौती का समाधान खोजने के लिए काम करना चाहिए।" सचिन पायलट ने मांग की कि इस घोटाले के लिए जिम्मेदार लोगों को नहीं बचाया जाना चाहिए। सरकार को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। जिस तरह से नीट मामले के बाद अन्य परीक्षाएं रद्द की गई हैं, उससे सरकार

की एक व्यवस्थित विफलता साबित होती है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के लोगों को बुनियादी सुविधाएं देने में विफल रही है। हम राज्य में बिजली और पानी की वास्तविक स्थिति देख सकते हैं। ऐसी स्थिति में हम उपचुनाव मजबूती से लड़ेंगे।

नए लोकसभा अध्यक्ष पर उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि विपक्ष को बोलने का मौका दिया जाएगा। एक दिन में 147 सांसदों के निलंबन जैसी घटनाएं नहीं दोहराई जाएंगी।"

सचिन पायलट ने एजेंसियों के दुरुपयोग को लेकर भी केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, "एनडीए सरकार ने दमनकारी नीतियां अपनाई थीं। पिछली सरकार में शायद ही कोई एजेंसी थी जिसका दुरुपयोग न हुआ हो। इसलिए जनता ने सरकार को आईना दिखाया कि वह विपक्ष को बेवजह न दबाए।" राहुल गांधी के विपक्ष का नेता बनने पर उन्होंने कहा, "राहुल गांधी के विपक्ष का नेता बनने से न केवल कांग्रेस बल्कि पूरे इंडिया गठबंधन में ऊर्जा का संचार हुआ है। राहुल गांधी ने लगातार सरकार को चुनौती दी है। वे संसद के अंदर और बाहर लोगों की आवाज बन गए हैं।"

विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ देश में जाति जनगणना कराने का प्रस्ताव

तमिलनाडु विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से जल्द ही जाति आधारित जनगणना कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया कि केंद्र सरकार को इस बार जाति आधारित जनसंख्या जनगणना को शामिल करते हुए 2021 से अतिदेय जनगणना कार्य तुरंत शुरू करना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह सदन मानता है कि भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए शिक्षा, अर्थव्यवस्था और रोजगार में समान अधिकार और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए नीतियां बनाने के लिए जाति आधारित जनसंख्या जनगणना आवश्यक है।

भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायकों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया। यह प्रमुख विपक्षी अन्नाद्रमुक सदस्यों की अनुपस्थिति में हुआ, जिन्हें कार्यवाही में बाधा डालने के लिए विधानसभा से

निलंबित कर दिया गया था। अध्यक्ष एम अप्पावु ने कहा कि प्रस्ताव सर्वसम्मति से अपनाया गया।

प्रस्ताव पेश करते हुए स्टालिन ने कहा कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के अनुसार, जनसंख्या जनगणना करने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008, राज्य सरकारों को जनसंख्या की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर डेटा इकट्ठा करने की अनुमति देता है, अधिनियम की धारा 3, भाग ए राज्य सरकारों को सातवें के तहत सूचीबद्ध समुदायों पर डेटा एकत्र करने से प्रतिबंधित करता है। सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत जनगणना डेटा एकत्र करना संभव नहीं है। केंद्र सरकार द्वारा जनसंख्या जनगणना कराना ही एकमात्र विकल्प है। इसलिए हम इस बात पर जोर देते हैं कि जाति जनगणना केंद्र द्वारा कराई जानी चाहिए।

एनटीए में 25 से भी कम कर्मचारी-दो दर्जन से अधिक परीक्षाएं आयोजित करती है

कांग्रेस नेता अजय कुमार ने 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा' (नीट)-स्नातक में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए दावा किया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में 25 से भी कम स्थायी कर्मचारी हैं, लेकिन वह दो दर्जन से अधिक परीक्षाएं आयोजित कर रही है।

कांग्रेस की ओडिशा, पुडुचेरी और तमिलनाडु इकाई के प्रभारी कुमार ने आरोप लगाया कि केंद्र ने एनटीए को इन प्रतियोगी परीक्षाओं के आयोजन के लिए आदेश देकर इनके साथ एक तरह से जुआ खेला है।

उन्होंने दावा किया, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी में विभिन्न विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लगभग एक दर्जन कर्मचारी और कुछ संविदा कर्मचारी हैं। अपर्याप्त विशेषज्ञों के कारण, एनटीए ने पेपर सेटिंग, पेपर वितरण और डेटा सुरक्षा प्रोटोकॉल कार्य को निजी प्रौद्योगिकी सेवा प्रदाताओं और बाहरी विशेषज्ञों को सौंपा।

कांग्रेस नेता ने कहा कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की कार्यप्रणाली छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने पांच मई को 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा' (नीट)-स्नातक आयोजित की थी, जिसमें एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए करीब 24 लाख उम्मीदवार शामिल हुए थे। इस परीक्षा के परिणाम चार जून को घोषित किए गए, लेकिन उसके बाद बिहार समेत कई राज्यों में प्रश्नपत्र लीक होने के अलावा अन्य अनियमितताओं के आरोप लगे।

एकजुट है शिरोमणि अकाली दलः हरसिमरत कौर

शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने सुखबीर बादल के खिलाफ पार्टी के भीतर विद्रोह को कम करने की कोशिश करते हुए कहा कि केवल कुछ मुट्ठी भर नेता ही नेतृत्व में बदलाव चाहते हैं। हालाँकि, उन्होंने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह अकाली दल को तोड़ना चाहती है। भाजपा और अकाली दल अतीत में गठबंधन में रहे हैं, लेकिन अब रद्द किए गए कृषि कानूनों को लेकर वे अलग हो गए। यह अकाली दल ही था जिसने भाजपा से नाता तोड़ लिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूरा शिरोमणि अकाली दल एकजुट है और सुखबीर बादल के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ पिट्ठू शिअद को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। वे वैसा ही करना चाहते हैं जैसा

उन्होंने महाराष्ट्र में किया।' शिअद एकजुट है और वे (बागी नेता) विफल होंगे। उन्होंने कहा कि 117 नेताओं में से केवल 5 नेता सुखबीर बादल के खिलाफ थे जबकि 112 नेता पार्टी और सुखबीर बादल के साथ खड़े थे। कौर ने दावा किया कि ये पांचों नेता बीजेपी के निर्देश पर काम कर रहे हैं।

शिरोमणि अकाली दल के नेता परमजीत सिंह ने कहा कि मैंने एक लिखित बयान दिया है। बीजेपी मेरे खिलाफ जो चाहे कार्रवाई कर सकती है... अगर उन्हें (बीजेपी) लगता है कि यह एक फर्जी आरोप है, तो मैं उन्हें बुलाता हूं। एक बहस और मैं साबित कर दूंगा कि यह ऑपरेशन लोटस है...बीजेपी सभी क्षेत्रीय दलों को कमजोर और खत्म करना चाहती है...हम ऐसा नहीं होने देंगे। दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि जब पार्टी का आधिकारिक चैनल विचार प्रस्तुत करने के लिए खुला है तो हर किसी की कोशिश होनी चाहिए कि वह पार्टी फोरम पर अपनी राय रखें. यह अधिक स्वागत योग्य है. पार्टी एकजुट है... अगर एक-दो लोग अलग हैं तो वह बगावत नहीं है।

मुझे विश्वास है कि आप हमें बोलने की अनुमति देंगे

तीन बार के भाजपा सांसद ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार के सुरेश को एक दुर्लभ मुकाबले में ध्वनि मत से हराया। ओम बिरला अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठते समय मुस्कुरा रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल देखने को मिला। उन्होंने ओम बिरला को कुर्सी तक पहुंचाया।

ओम बिरला के लोकसभा अध्यक्ष बनने पर राहुल गांधी ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि आप हमें बोलने देंगे' तीन बार के भाजपा सांसद ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार के सुरेश को एक मुकाबले में ध्वनि मत से हराया।

नये अध्यक्ष को उनके आसन तक पहुंचाने से पहले प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी ने एक दूसरे के साथ संक्षिप्त मित्रता भी साझा की और दोनों ने मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया तथा ओम बिरला का स्वागत किया। ओम बिरला अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठते समय मुस्कुरा रहे थे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी ओम बिरला को कुर्सी तक ले गए। नए अध्यक्ष को कुर्सी तक ले जाने से पहले प्रधानमंत्री मोदी और राहुल गांधी ने एक-दूसरे के साथ थोड़ी देर की दोस्ती भी की।

उन्होंने मुस्कुराते हुए हाथ मिलाया और ओम बिरला का स्वागत किया। संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नवनिर्वाचित लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनकी जीत पर बधाई दी। गांधी ने कहा, "पूरे विपक्ष और इंडिया गठबंधन की ओर से आपको बधाई। विपक्ष को बोलने का मौका देकर आप भारत के संविधान की रक्षा करने का अपना कर्तव्य निभाएंगे।"

गांधी ने कहा, "सरकार के पास राजनीतिक शक्ति हो सकती है, लेकिन विपक्ष भी लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है।" ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष चुने गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बिरला को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि वे सांसदों का मार्गदर्शन करेंगे और लोगों की उम्मीदों को पूरा करने में सदन में बड़ी भूमिका निभाएंगे। द्विदलीय माहौल में मोदी, गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बिरला को उनके चुनाव के बाद संयुक्त रूप से अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचाया। विपक्षी दलों द्वारा कांग्रेस सदस्य के सुरेश को इस पद के लिए चुने जाने के बाद सदन ने ध्वनिमत से बिरला को चुना।

हाथ में संविधान लेकर राहुल गांधी ने ली शपथ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा सांसद के रूप में शपथ ली और अपने हाथ में संविधान लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को दिखाया। उन्होंने अपना शपथ ग्रहण 'जय हिंद, जय संविधान' के नारे के साथ समाप्त किया। अमेठी से कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शपथ ले रहे हैं। किशोरी लाल ने लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी उम्मीदवार स्मृति ईरानी को हराया था। इससे पहले कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी, जो वायनाड उपचुनाव के लिए उम्मीदवार भी हैं, 18वीं लोकसभा के सदस्य के रूप में राहुल गांधी के शपथ ग्रहण से पहले संसद पहुंचे थे।

राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। शपथ के लिए जब राहुल गांधी का नाम पुकारा गया तो कांग्रेस के सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गए और 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाने लगे। उनके शपथ लेने के बाद भी कांग्रेस सदस्यों ने 'जोड़ो जोड़ो, भारत जोड़ो' के नारे लगाए। राहुल गांधी ने वर्ष 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' और इस साल की शुरूआत में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' निकाली थी। उत्तर प्रदेश के मेरठ संसदीय क्षेत्र से निर्वाचित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अरुण गोविल ने लोकसभा की सदस्यता की शपथ संस्कृत में ली। जब शपथ के लिए अरुण गोविल का नाम पुकारा गया तो सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों ने 'जय श्री राम' का नारा लगाया। गोविल ने टेलीविजन के मशहूर धारावाहिक 'रामायण' में भगवान राम की भूमिका निभाई थी। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित भाजपा सांसद महेश शर्मा ने भी संस्कृत में शपथ ली। मथुरा से भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने हिंदी में शपथ ली। शपथ से पहले उन्होंने 'राधे-राधे' का उद्घोष किया।

सैम पित्रोदा एक बार फिर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया

सैम पित्रोदा एक बार फिर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त किये गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तुरंत प्रभाव से पित्रोदा की नियुक्ति को मंजूरी दी। इसकी जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। उन्होंने पत्र जारी करते हुए बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सैम पित्रोदा को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का पुनः अध्यक्ष नियुक्त किया है।

हाल ही में सैम पित्रोदा ने

अपने विवादित बयानों के बाद इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। पित्रोदा अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान अपने बयानों से उन्होंने कांग्रेस पार्टी के लिए कई मौकों पर मुश्किलें खड़ी की थी। बीते दिनों सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता पर कहा था कि भारत के पूर्व में रहने वाले लोग चीनी लगते हैं, वहीं दक्षिण में रहने वाले लोग अफ्रीकी लगते हैं तो पश्चिमी भारत के लोग अरब के निवासियों जैसे लगते हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि उत्तर भारतीय गोरे होते हैं, शायद वो गोरों जैसे दिखते हैं।

सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स पर भी बयान दिया था। चुनावी मौसम में इस मुद्दे पर पहले ही विवाद था। सैम पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस को चौतरफा हमलों का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस ने सैम पित्रोदा से किनारा तक कर लिया था। पार्टी का कहना था कि ऐसा नहीं है कि पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति को दर्शाते हैं। कई बार उनके विचार कांग्रेस पार्टी के विचार नहीं होते हैं।

प्रसिद्ध फूड उद्यमी श्री राजा अटल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

॥ मनोज शर्मा ॥

दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री संग्रहालय में आयोजित किए गए अटल राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह में लोकप्रिय मोमोज और चाइनीज फूड चैन "मोकार्ट" के संस्थापक श्री राजा को अटल राष्ट्रीय पुरस्कार की समाज सेवी श्रेणी में सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार वितरण समारोह में 37 प्रतिष्ठित लोगों को उनके विभिन्न क्षेत्रों में किए गए अनुकरणीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। जिसमें राजा भी शामिल रहे।

बता दें कि श्री राजा का समर्पण स्वादिष्ट भोजन से कहीं आगे तक फैला हुआ है, क्योंकि उन्होंने लोगों को वापस देने के लिए लगातार प्रतिबद्धता दिखाई है। कोविड-19 महामारी के दौरान श्री राजा ने भूख और कठिनाई का सामना कर रहे लोगों और मजदूरों को भोजन उपलब्ध कराना शुरू किया था और अपनी यह पहल वह आज भी जारी रखे हुए हैं, जिससे जरूरतमंदों को उनके द्वारा मदद मिल रही है।

इस सम्मान को प्राप्त करते हुए श्री राजा ने कहा, "यह पुरस्कार प्राप्त करना एक सच्चा

सम्मान है। जरूरतमंदों को मुफ्त भोजन उपलब्ध कराना हमारे समुदाय का समर्थन करने का एक महत्वपूर्ण तरीका रहा है। मैं सभी से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करता हूं कि वे समाज में जरूरतमंदों के लिए अपना योगदान दें।" श्री राजा के विचार अटल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती अपर्णा सिंह त्रिपाठी द्वारा आयोजित समारोह की भावना से भी मेल खाते हैं। अटल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष अपर्णा सिंह त्रिपाठी भी जरूरतमंदों की मदद के लिए सदा तत्पर रहती हैं।

गौरतलब है कि अटल राष्ट्रीय पुरस्कार उन व्यक्तियों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है, जो अपने समर्पण और सेवा के माध्यम से देश की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस समारोह में सम्मानित अतिथियों और पुरस्कार विजेताओं का एक समूह एक साथ आया, जिसने भारत के लिए एक उज्जवल भविष्य के निर्माण की दिशा में साझा उद्देश्य और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा दिया।

बाल रंग महोत्सव में बच्चों ने सामाजिक बुराईयों को किया उजागर

उड़ान—द सेंटर आफ थियेटर आर्ट एंड चाइल्ड डवलपमेंट द्वारा आयोजित बाल रंग महोत्सव में बच्चों ने नाटकों के माध्यम से सामाजिक बुराईयों को उजागर किया। महोत्सव में प्रख्यात रंगकर्मी संजय टुटेजा के दिशा निर्देशन व संयोजन में छह नाटकों का मंचन किया गया जिसमें बच्चों ने अपनी अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को रोमाचित कर दिया। बच्चों की प्रतिभा देख दर्शक गदगद हो गये और नाटकों के मंचन के काफी देर बाद तक अपनी कुर्सियों पर जमे रहे।

उड़ान—द सेंटर आफ थियेटर आर्ट एंड चाइल्ड डवलपमेंट द्वारा ग्रीष्मावकाश में लगभग दस स्थानों पर आयोजित बाल रंग शिविरों के समापन पर बाल रंग महोत्सव का आयोजन गोल मार्केट स्थित मुक्तधारा सभागार में रंगकर्मी व पत्रकार संजय टुटेजा के दिशा निर्देशन व संयोजन में हुआ। महोत्सव का उदघाटन पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत तथा देश विदेश में कंजर्वेशन के क्षेत्र की बड़ी हस्ती अचल पांडया तथा कलाकार व निर्देशक पूजा सिंह ने किया। महोत्सव का पहला नाटक शिवांग मिश्रा के निर्देश में मंचित स्कूल

इंसपेक्शन था जिसमें बच्चों ने देश की शिक्षा व्यवस्था में उत्पन्न खामियों को उजागर किया और नाटक के माध्यम से दर्शकों को खामियों के खिलाफ आवाज उठाने का संदेश दिया। दूसरा नाटक 'दूध में कुछ काला है' का मंचन नेशनल स्कूल आफ ड्रामा के ग्रेज्युट कृष्णा राजपूत के निर्देशन में हुआ, इस नाटक में बच्चों ने सरकारी व राजनैतिक व्यवस्था की खामियों को उजागर किया। महोत्सव के पहले चरण का तीसरा नाटक 'इच्छा मर्जी ख्वाब' था जिसका निर्देश नेशनल स्कूल आफ ड्रामा के ग्रेज्युट सागर वशिष्ठ ने किया। इस नाटक में बच्चों ने समाज में अवसाद व भागदौड़ का मुद्दा उठाते हुए दर्शकों को जीवन में खुशहाली लाने का संदेश दिया।

महोत्सव के दूसरे चरण में मंचित तीन नाटकों में सबसे पहले दक्ष चोपड़ा द्वारा निर्देशित नाटक 'राजा और जादूगर' का मंचन किया गया। जिसमें बच्चों ने अपनी अभिनय प्रतिभा से दर्शकों को रोमांचित करते हुए क्रोध से मुक्ति पाने का संदेश दिया। महोत्सव का पांचवा नाटक 'बिल्ली रानी बडी सयानी' रहा जिसका निर्देशन नेशनल स्कूल आफ ड्रामा के ग्रेज्युट कृष्णा राजपूत ने किया। इस हास्य नाटक में बच्चों ने खूब हंसाया और गुदगुदाया। महोत्सव का अंतिम नाटक 'लाल पेन्सिल' रहा जिसका निर्देशन नेशनल स्कूल आफ ड्रामा के सागर वशिष्ठ ने किया। इस नाटक के माध्यम से बच्चों की मौलिक प्रतिभा को निखारने का संदेश दिया गया। महोत्सव का समाचार फिल्म व टीवी कलाकार तथा फिल्म निर्देशक अंशुल त्यागी ने किया। संस्था के उपाध्यक्ष संजय गुप्ता एवं सक्षम पाहुजा ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया।

ममता की भ्रष्टाचार को लेकर अधिकारियों -मंत्रियों को चेतावनी

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

'कितना पैसा मिला?', भ्रष्टाचार को लेकर ममता ने अधिकारियों और अपने मंत्रियों को खूब सुनाया, बोलीं- यह मेरी आखिरी चेतावनी है

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में अवैध कब्जे को बढ़ावा देने के लिए अपनी पार्टी के विधायक सुजीत बोस पर जमकर निशाना साधा। नबन्ना में बोलते हुए उन्होंने कहा, "मुझे इसके बारे में (कोलकाता का साल्ट लेक क्षेत्र) बोलने में भी शर्म महसूस होती है... राजारहाट में भी अतिक्रमण शुरू हो गया है।" ममता ने कहा कि सुजीत बोस अपनी इच्छा के अनुसार अतिक्रमण की अनुमति दे रहे हैं। उन्होंने इसे एक प्रतियोगिता जैसा बना दिया है। बाहरी लोग उस स्थान (पशु संसाधन विकास विभाग के कार्यालय) पर कब्जा क्यों करेंगे?

ममता बनर्जी ने कहा कि आइए मैं आप लोगों को एक तस्वीर दिखाती हूँ। इस मुगालते में न रहें कि मैं बिना सबूत के यहां आई हूं। अगर मैं तुम्हें तस्वीर दिखाऊंगी तो तुम्हें खुद ही शर्म आ जाएगी। उन्होंने कहा कि लोगों ने (क्षेत्र पर अतिक्रमण करने के लिए) कितना भुगतान किया? एआरडी कार्यालय के बाहर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण है। वे तंबू लगा रहे हैं और जगह पर स्थायी रूप से कब्जा कर रहे हैं। ममता बनर्जी ने गुस्से में कहा कि मैं जानना चाहती हूं क्यों, क्यों, क्यों?

ममता बनर्जी ने पूछा कि मैं जानना चाहती हूँ। मैं जानना चाहती हूं कि इस अतिक्रमण को अनुमति देने के लिए इन लोगों को हमें कितना भुगतान करना पड़ा। पैसा किसने लिया? उन्होंने आगे पूछा, 'साल्ट लाजे नगर पालिका के पार्षद अपना काम क्यों नहीं कर रहे हैं? वे एक निर्वाचित निकाय हैं।' ममता बनर्जी ने राज्य के नगर निकाय प्रमुखों से तीखा सवाल किया: "यहां तक कि सड़कों पर भी झाड़ू नहीं लगाई जाती है। क्या अब मुझे सड़कों पर झाड़ू लगाने के लिए बाहर निकलना होगा?" उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह मेरी आखिरी चेतावनी है।

उन्होंने कहा कि कुछ लोग रिश्वत लेकर अतिक्रमण होने दे रहे हैं। आप यह क्यों नहीं समझते कि बंगाल की पहचान खराब हो रही है क्योंकि आप लोग पैसे ले रहे हैं? जहां जहां जमीन है, वहां अतिक्रमण हो रहा है। बंगाल की पहचान खराब होने का मुद्दा उठाते हुए ममता बनर्जी ने कहा, "हमारे कंधों पर बोझ डाला जा रहा है। इसके बाद राज्य की पहचान खत्म हो जाएगी। हमें अब बांग्ला भाषी लोग नहीं मिलेंगे। आज हर कोई हिंदी और अंग्रेजी जानता है।"

जब मैं ऐसा कहता हूं तो मैं किसी भाषा को अपमानित नहीं कर रहा हूं। बैठक में मौजूद नागरिक निकायों के प्रमुख, कुछ मंत्री और कुछ चुनिंदा विधायक और वरिष्ठ पुलिस और नागरिक प्रशासन अधिकारी मुख्यमंत्री द्वारा की गई 70 मिनट की लंबी तीखी नोकझोंक के दौरान शर्मिंदा और कांपते रहे। उन्होंने कहा कि मैं मास्टर जबरन वसूली करने वालों को नहीं चाहती। मुझे लोक सेवक चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि काम में अच्छा प्रदर्शन नहीं करने वालों और भ्रष्ट लोगों को पार्टी से बाहर कर दिया जाएगा।

मल्टी एजुकेशन पॉइंट का वार्षिक समारोह

पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में मल्टी एजुकेशन पॉइंट का वार्षिक समारोह बड़ी धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रोजी वरमानी तथा कुमारी दीपाली वरमानी ने मिलकर किया। मुख्य अतिथि नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष व एंग्री मैन सरदार परमजीत सिंह पम्मा ने विद्यार्थियों को नशा मुक्ति तथा इंटरनेट गेम्स से दूर रहने की सलाह दी। पम्मा ने विद्यार्थियों को अपने हाथ से अवार्ड तथा सर्टिफिकेट्स देकर पुरस्कृत किया। इस कार्यक्रम में श्रीमती अचला मनोचा, अंजू शर्मा, रशमीत कौर बिंद्रा, सुनीता अरोड़ा, आफरीन, सपना राज, सुमन तोमर, ज्योति शर्मा, उषा अरोड़ा, मोहिनी सचदेवा, तजिन्दर सिंह सोढ़ी तथा अन्य कई संस्थाओ से आये हुए साथियों ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर परमजीत सिंह पम्मा व रोजी वरमानी ने कहा बड़े दुख की बात है जो मोबाइल सुविधा के लिए आया था वही आज बच्चों के लिए खतरनाक बनता जा रहा है क्योंकि बच्चे मोबाइल में ऑनलाइन गेम में खेलने के कारण ना ही अन्य गतिविधियां कर पा रहे हैं और ना ही पढ़ पा रहे हैं। कई बच्चे तो ऑनलाइन गेमों के कारण आपराधिक घटनाएं भी कर चुके हैं। पम्मा ने कहा आने वाले समय में इन गेमों के कारण बच्चे ना तो खिलाड़ी बन पाएंगे ना व्यापारी बन पाएंगे ना कलाकार बन पाएंगे ना किसी प्रकार की गतिविधियां कर पाएंगे। यह एक ऐसा नशा है जो बच्चों को डिप्रेशन की ओर ले जा रहा है। यह विदेशी ताकतों की साजिश है जो हमारे बच्चों का भविष्य बिगाड़ कर हमें फिर से गुलाम बनाना चाहती हैं।

इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न कल्चर कार्यक्रम करके लोगों का मन मोह लिया और भांगड़ा और गिद्दे ने तो सबको नाचने पर मजबूर कर दिया।

सुचेता स्मृति व्याख्यान - 2024 का आयोजन

॥ जगन नेगी ॥

सुचेता कृपलानी महिला चेतना से भरपूर एक जबरदस्त एक्टिविस्ट थीं। वह कहती थीं कि मैं जब तक जेल नहीं गई एहसासे कमतरी का शिकार रही। ऐसा एक एक्टिविस्ट ही सोच सकता है, यह एक्टिविस्ट के ही सपने हो सकते हैं।

यह बात डॉ. तारा नेगी ने 'महिला चेतना एवं सुचेता कृपलानी' विषयक सुचेता स्मृति व्याख्यान-2024 के दौरान स्थानीय हिंदी भवन में मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए कही।

दिल्ली विश्वविद्यालय में राजनीति शास्त्र की प्राध्यापक रही डॉक्टर तारा नेगी ने आगे कहा कि सुचेता कृपलानी एक कुशल संगठनकर्ता थीं। आज हम सुचेता जी को अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के संस्थापक के रूप में भी याद करना चाहेंगे। सुचेता जी महिलाओं को राजनीति में और स्वतंत्रता आंदोलन में भाग लेने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करती थीं। 1940 में सुचेता जी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महिला संगठन बनाने की जिम्मेदारी ली। यह एक ऐसा संगठन है जो आजादी के बाद आज भी कायम है।

डॉ. नेगी ने आगे बताया कि महिला संगठन बनाने के लिए सुचेता कृपलानी को एक राज्य से दूसरे राज्य में जाना पड़ा। विभिन्न प्रदेशिक नेताओं से मिलना पड़ा। महिलाओं की छोटी-छोटी इकाइयां बनानी पड़ी। सुचेता जी को यकीन था कि जैसे संगठन के बिना भारत की आजादी हासिल नहीं की जा सकती उसी तरह महिलाओं के संगठन के बिना महिलाओं की बराबरी का लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। जबकि कांग्रेस महिला संगठन के कार्यक्रमों के लिए फंड देने में बहुत आना-कानी करती थी। फलस्वरुप संगठन का काम बाधित होता था। उन्होंने महिलाओं के संगठनात्मक पक्ष पर बहुत जोर दिया और विभिन्न इकाइयों के बीच प्रभावी तालमेल बिठाकर एक महिला संगठन खड़ा करने का काम बखूबी किया।

मुख्य वक्ता ने आगे कहा कि महिलाओं की सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक स्थिति से सुचेता जी अनभिज्ञ नहीं थीं। इस स्थिति को बदलने के लिए महिलाओं के संघर्ष और आंदोलन की जरूरत को बखूबी पहचानती थीं और इसके लिए वह सतत प्रयासरत रहीं।

डॉ. नेगी का आगे कहना था कि 1946 में उन्होंने नोआखली में विभाजन से जुड़े दंगा-पीड़ितों की मदद का बड़ा काम किया। सुचेता जी ने महिला संगठन बनाकर महिलाओं की समानता की नींव रखी, नोआखली यात्रा का जोखिम उठाया, महात्मा गांधी का साथ देने के लिए अगवा की गई भारतीय महिलाओं को पाकिस्तान से वापस लाने का प्रयास किया, उन्हें पुनर्वासित किया, राजनीति में अपनी स्वतंत्र पहचान बनाई और उससे आगे अपनी पूरी संपत्ति को समाज सेवा के लिए अर्पित कर दिया और समाज कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया।

स्मृति व्याख्यान के दौरान वृंदावन में अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही एकाकी महिलाओं के कल्याण से जुड़े मुद्दे को सुश्री राखी गुप्ता ने उठाया।

व्याख्यान को आगे बढ़ाते हुए वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अरविंद मोहन ने कहा कि 1917 में जब चंपारण सत्याग्रह हुआ तब वहां काम करने वाली महिलाएं नहीं मिलीं, महात्मा गांधी को महिलाओं के बीच जाने और उनसे बात करने के लिए अंततः कस्तूरबा को ही बुलाना पड़ा। लेकिन 1930 में नमक सत्याग्रह के समय पूरे देश में 25000 महिलाओं ने जेल यात्रा की जो अब तक के इतिहास में किसी एक आंदोलन में दुनिया के किसी देश में नहीं हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पद्मश्री राम बहादुर राय ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में काम करने का माद्दा सुचेता कृपलानी के जीवन के हर हिस्से में दिखाई देता है।

कार्यक्रम में ढेर सारे बुद्धिजीवी प्राध्यापक पत्रकार लेखक आदि शामिल हुए। स्मृति व्याख्यान का आयोजन आचार्य कृपलानी मेमोरियल ट्रस्ट की ओर से किया गया था। कार्यक्रम का संचालन आचार्य कृपलानी मेमोरियल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी अभय प्रताप ने किया तथा सभी अतिथियों के प्रति आभार सुरेंद्र कुमार ने प्रकट किया।

पूर्वी छोर पर ग्लोबल वार्मिंग: पश्चिमी छोर पर प्रदूषण

॥ अशोक निर्भय ॥

पिछले मई, जून महीनों से देश ग्लोबल वार्मिंग यानी झुलसा देने वाली गर्मी (हीट वेव) की चपेट में आया हुआ है। जुलाई भी ऐसे ही झुलसा देने वाली रहेगी। देश के लोगों को घरों से बाहर निकल पाना नामुमकिन हो गया है। आम दिनों में साधारण इंसान 9 से 10 बजे के बीच काम धंधे के लिए घर से बाहर निकलता था मगर भयंकर गर्मी के कारण घर से बाहर निकला हुआ व्यक्ति भी 10 से 11 बजे तक अपने घर वापस पहुंचना चाहता हैं। सुबह 11 बजे के बाद सड़कें एकदम सुनसान हो जाती हैं जैसे पूरे देश में कर्फ्यू लगा हुआ है। इस भयंकर गर्मी के कारण दैनिक लाखों लोग बीमार पड़ रहे हैं और हजारों लोगों को जीवन से हाथ धोना पड़ता है।

"ग्लोबल वार्मिंग के कारण हमारे जीवन तथा आजीविका दोनों पर खतरा मंडराने लगा है।" आगामी दिसम्बर जनवरी के महीनों में देश भयंकर प्रदूषण से दो-दो हाथ करता हुआ नजर आएगा। ग्लोबल वार्मिंग यानी झुलसा देने वाली भयंकर गर्मी के दौरान आम लोगों को दिन के वक्त घरों में दुबक कर रहने तथा रात के समय अपेक्षाकृत गर्मी कम होने से थोड़ी बहुत राहत मिल जाती है मगर प्रदूषण रुपी राक्षस से बचना असंभव है। प्रदूषण राक्षस दिन हो या रात, घर हो या बाहर, एक मिनिट के लिए पीछा नहीं छोड़ता। प्रदूषण का जहर श्वास के साथ शरीर के अंदर जाने से दम घुटने लगता है, खांसते खांसते बेहाल हो जाता है एवं फेफड़ों

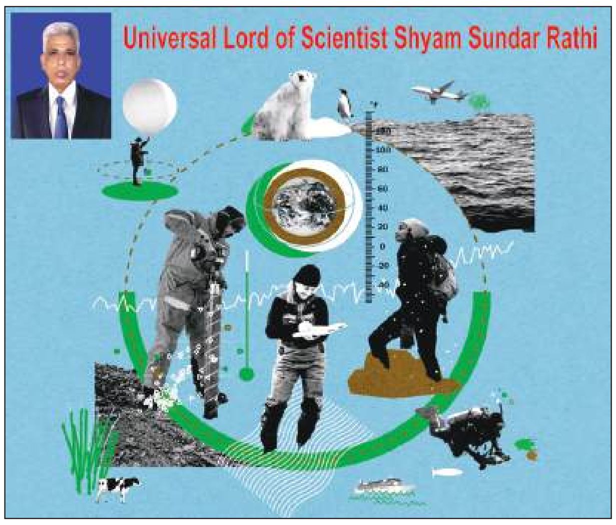

की बीमारियों के कारण अच्छा भला इंसान यातना भरी मौत की ओर बढ़ने लगता है। ग्लोबल वार्मिंग पूर्व छोर है तो प्रदूषण पश्चिम छोर, दोनों समस्याएं मिलकर पृथ्वी से मानव जाति का अस्तित्व मिटाने के लिए आतुर है। दोनों रोग अलग हैं और उनसे छुटकारा मिलने के लिए अलग तरीके से उपचार किया जाएगा।

कुछ लोग मानव जाति की आपदा और लाशों के ढेर को कमाई का स्वर्णिम अवसर समझ कर फायदा उठाने के लिए तत्पर हो जाते हैं। इसलिए ओहदे का दुरुपयोग कर एवं पैसे खर्च कर के आम लोगों में अंधविश्वास फैला कर तथा मौत का भय दिखाकर अपना उल्लू साधने का प्रयास किया जाता है। जिससे अपने वर्चस्व की पकड़ को मजबूत किया जाए, अपनी पहाड़ जैसी संपत्ति को कई गुना करने का मौका मिले और मौके का लाभ उठाया जाए। अरबों डॉलर खर्च कर के 10,,12 बहुरूपियों ने मंच सजाया और मंच से ग्लोबल वार्मिंग राक्षस आने का कारण चमचों को समझाने लगे। प्रदूषण के कारण ग्लोबल वार्मिंग राक्षस असमान से आ टपका है और हम सबको निगल जाएगा। वहां पर उपस्थित सभी चमचों ने अपने आका के ज्ञान में कसीदे पढ़कर अपना समर्थन जताया एवं तालियों की गड़गड़ाहट और जय-जयकार के नारों से असमान गूंजने लगा। इस तरह से अपना वर्चस्व और उत्पादन दोनों दूसरों पर थोपने का काम हो गया। विज्ञान युग के मनुष्य को मूर्ख बनाने एवं साथ में एक नए अंधविश्वास ने धरातल पर जन्म देने का कार्य पूरा हो गया। विज्ञान युग के मनुष्य को कुछ मूर्खो के फैलाए हुए अंधविश्वास से बाहर निकल कर प्रदूषण एवं ग्लोबल वार्मिंग राक्षसों के आने का सही कारण समझना और उसका उपचार करना चाहिए, जिससे मानव सभ्यता को खत्म होने से बचाया जा सकता है।

लोकसभा में नेता विपक्ष बने राहुल गांधी को मिलेंगे ये अधिकार

॥ राष्ट्र टाइम्स ॥

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा में विपक्ष का नेता चुना गया। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी को वेतन मिलेगा और संसद में विपक्ष के नेताओं के वेतन और भत्ते अधिनियम, 1977 के तहत उन्हें कई सुविधाएं मिलेंगी। संसद पुस्तकालय में उपलब्ध एक सरकारी पुस्तिका के अनुसार, "विपक्ष के नेता को अध्यक्ष के बाईं ओर की अगली पंक्ति में एक सीट मिलती है। उन्हें औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं जैसे निर्वाचित अध्यक्ष को मंच तक ले जाना और संसद के दोनों सदनों में राष्ट्रपति के अभिभाषण के समय अग्रिम पंक्ति में बैठें।"

राहुल गांधी पांच बार लोकसभा सांसद हैं, उन्होंने पहले अमेठी, वायनाड और अब रायबरेली निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया है। राहुल गांधी पहली बार 2004 में सांसद बने जब उन्होंने अमेठी निर्वाचन क्षेत्र जीता। वह अब तक केवल एक चुनाव हारे हैं - 2019 में अमेठी में हुआ चुनाव। लेकिन चूंकि उन्होंने उसी वर्ष केरल में वायनाड सीट के लिए चुनाव लड़ा, इसलिए उन्होंने अपनी संसद सदस्यता बरकरार रखी। मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 2023 में राहुल गांधी को कुछ समय के लिए सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। हालाँकि, उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगा दी गई और उनकी सदस्यता बहाल कर दी गई। राहुल गांधी 2017 से 2019 के बीच कांग्रेस अध्यक्ष के पद पर रहे। वह वर्तमान में युवा कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।

विपक्ष के नेता के रूप में शक्तियाँ

राहुल गांधी के पास अधिक शक्तियां होंगी क्योंकि भारत 10 वर्षों में लोकसभा में अपना पहला विपक्ष का नेता देखेगा। विपक्ष के नेता के समर्थन के बिना सरकार के लिए निर्णय लेना मुश्किल होगा। विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी को कैबिनेट मंत्री का दर्जा, वेतन और भत्ते मिलेंगे। उन्हें 3.3 लाख रुपये की सैलरी मिलेगी। उन्हें कैबिनेट मंत्री स्तर की सुरक्षा भी मिलेगी। इसमें Z+ सुरक्षा कवर शामिल हो सकती है। उन्हें कैबिनेट मंत्री के समान सरकारी बंगला मिलेगा।

राहुल गांधी अब उस तीन सदस्यीय पैनल में होंगे जो मुख्य चुनाव आयुक्त और दो चुनाव आयुक्तों का चयन करेगा। उनकी शक्तियां तीन सदस्यीय पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले पैनल पर सीमित होंगी क्योंकि तीसरे सदस्य, एक केंद्रीय कैबिनेट सदस्य, को पीएम द्वारा चुना जाता है। हालाँकि, चूंकि भाजपा को अब लोकसभा में पूर्ण बहुमत प्राप्त नहीं है, इसलिए दोनों सदस्य अपने निर्णय राहुल गांधी पर "थोप" नहीं सकते हैं। सीबीआई, ईडी और सीवीसी जैसी केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुखों को चुनने वाली समिति के सदस्य के रूप में राहुल गांधी के पास अधिक शक्तियां होंगी। तीन सदस्यीय समिति का नेतृत्व पीएम मोदी करेंगे और इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश या उनके द्वारा नियुक्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश शामिल होंगे।

जीटीटीसीआई ने विश्व एमएसएमई दिवस 2024 के उपलक्ष्य में एमएसएमई कनेक्ट - ग्लोबल ग्रोथ फोरम का आयोजन

ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल ऑफ इंडिया ने विश्व एमएसएमई दिवस 2024 के उपलक्ष्य में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली में एमएसएमई कनेक्ट - ग्लोबल ग्रोथ फोरम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत जीटीटीसीआई के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. गौरव गुप्ता के प्रेरणादायक स्वागत भाषण से हुई, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) की महत्वपूर्ण भूमिका और आर्थिक विकास और रोजगार सृजन में उनके अपार योगदान पर प्रकाश डाला। जीटीटीसीआई की अध्यक्ष डॉ. रश्मि सलूजा ने फोरम की अध्यक्षता की और एमएसएमई के विकास को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक साझेदारी और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया। फोरम में एमएसएमई दिवस 2024 पर एक बेहद आकर्षक पैनल चर्चा हुई, जिसमें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एमएसएमई के लिए वित्तपोषण के अवसर, टिकाऊ प्रथाएं: वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देना, एमएसएमई के लिए डेटा सुरक्षा बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय व्यापार में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। पैनल में प्रतिभागियों की एक शानदार सूची थी, जिसमें अल्जीरिया के राजदूत महामहिम अली अचौई; मॉरीशस के उच्चायुक्त महामहिम एच डिलम; उरुग्वे के राजदूत महामहिम अल्बर्टो ए गुआनी; संयुक्त राज्य अमेरिका के दूतावास में वाणिज्यिक अधिकारी सुश्री अनास्तासिया मुखर्जी; लेसोथो के उच्चायोग में काउंसलर थबांग खोलुमो वियतनाम के व्यापार कार्यालय के प्रमुख बुई ट्रुंग थुओंग; घाना उच्चायोग में राजनीतिक और आर्थिक मंत्री-परामर्शदाता अर्नेस्ट नाना अदजेई; जीटीटीसीआई के मुख्य सलाहकार राकेश अस्थाना, रेलिगेयर समूह में समूह प्रमुख (कॉर्पोरेट मामले) और व्यापार सलाहकार; एसएमसी कैपिटल लिमिटेड के सीएमडी और पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष डॉ डी के अग्रवाल; जगदंबा कटलरी लिमिटेड के सीएमडी डॉ पवन कंसल; सुश्री नेहा नागर, एनडीटीवी फिनफ्लुएंसर ऑफ द ईयर; उज्ज्वल पाहवा, प्रसिद्ध वित्त प्रभावित; सुजीत कुमार, संसद सदस्य, राज्यसभा; अम्ब अमरेन्द्र खटुआ, पूर्व आईएफएस और जीटीटीसीआई में सलाहकार; डॉ अनिल गुप्ता, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य और एमएसएमई विकास मंच के संस्थापक रजनीश गोयनका। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कॉर्पोरेट मामलों और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के माननीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी और माननीय सांसद और भाजपा राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी की उपस्थिति रही। विशेष अतिथियों में जॉयसन सेफ्टी सिस्टम के निदेशक धीरज धर गुप्ता, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पूजा कपिल मिश्रा और बीकानेरवाला के निदेशक नवरतन अग्रवाल शामिल थे।

रघु जी की पुस्तकें देश को मार्ग बताती हैं -राम बहादुर राय

॥ डॉ बी. आर. चौहान ॥

रफी मार्ग स्थित विट्ठल भाई पटेल हाउस के कांस्टीट्यूशन क्लब में देश के सुप्रसिद्ध समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर द्वारा लिखित दो पुस्तकों - 'समस्या और समाधान' तथा 'आमजन और राजनीति' पुस्तक विमोचन के इस कार्यक्रम को हृदय नारायण दीक्षित-पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश, राम बहादुर राय-अध्यक्ष इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र एवं वरिष्ठ पत्रकार, लक्ष्मी दास- उपाध्यक्ष हरिजन सेवक संघ तथा संजय सिंह-राज्यसभा सांसद ने संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रघु ठाकुर ने की।

इस अवसर पर बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि ये दोनों पुस्तक युवा पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन व प्रेरणा स्रोत साबित होंगी। समाज के लोगों को इन पुस्तकों को पढ़ना चाहिए और भारतीय राजनीति, जो सामाजिक जीवन में मुख्य भूमिका अदा करती है, की बारीकियां को, ये पुस्तकें समझने का अवसर देती हैं। ये दोनों पुस्तकें देश के नौकरशाहों और सत्ताधीशों को भी अवश्य पढ़ाना चाहिए ताकि वे समस्याओं को समझकर उनका हल निकल सकें। सांसद-निधि को लेकर देश में बड़ी बहस होनी चाहिए क्योंकि आज इस निधि के ऊपर से बड़ी बदनामी हो रही है।

लक्ष्मी दास ने कहा कि इन पुस्तकों को पढ़ना चाहिए,अध्ययन करना चाहिए। आज की सामाजिक व्यवस्था, पूंजीवाद, व्यापार नीति और हमारी विदेश नीति क्या होनी चाहिए? भारत के पड़ोसी देशों से कैसे संबंध होने चाहिए? इन पुस्तकों में विस्तार से रघु जी ने विश्लेषण किया है। इस पर रिसर्च का बड़ा काम हो सकता है। जो बात, यदि गाँधी जी आज जिंदा होते हुए कहते, वही रघु जी ने, बड़ी हिम्मत और बेबाक ढंग से इन पुस्तकों में लिखा है। ये पुस्तकें- वर्तमान हैं, भविष्य हैं और इतिहास भी हैं।

हृदय नारायण दीक्षित ने बोलते हुए कहा कि रघु जी के लेखन, बोलचाल और जीने में गांधी लोहिया के संस्कार स्पष्ट दिखाई देते हैं। वे सृजन का कार्य लगातार कर रहे हैं। सृजन बड़ा काम है और लिखना उससे भी बड़ा काम है। मेरी रघु जी को शुभकामनाएं हैं कि वे सृजन और लेखन के काम को लगातार बिना रुके करते रहें। हमारे देश में लोकतंत्र की, संविधान की जड़ें बहुत गहरी हैं। इसलिए हमारे देश में संविधान के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता।

वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय ने कहा कि आमजन और राजनीति पुस्तक का पुरोकथन लिखते हुए मैंने इन लेखों को गहराई से पढ़ा है। रघु जी न केवल लिखते हैं बल्कि अपने लेखन को कर्म के साथ जोड़ते भी हैं। विभिन्न सवालों पर दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकते हैं परंतु पुस्तकों की मूल वस्तु और उसके निष्कर्ष से अधिकतम सहमति बनती है।सांसद निधि जब शुरू की गई थी, वह सांसदों को खुश करने के लिए थी।आज इसमें भ्रष्टाचार हो रहा है। राजनीति को साफ करने के लिए सांसद निधि को बन्द करना चाहिए। ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए, ग्राम पंचायतों को जिला प्रशासन(कलेक्टर) के चंगुल से निकला जाना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रघु ठाकुर ने कहा कि मैंने जो निष्कर्ष निकाले हैं या जो समाधान सुझाए हैं वे कोई अंतिम नहीं हैं। देश और दुनिया में हजारों लोग हैं जो मुझसे भी ज्यादा प्रबुद्ध और ज्ञानी हैं। हर व्यक्ति को अपने समाज के समक्ष उपस्थित सवालों पर विचार करना चाहिए, मार्ग खोजने चाहियें और उन पर चलने का प्रयास करना चाहिए। आज के दौर में मानवीय मानस के लिए तीन प्रकार के स्वरूप होने जरूरी हैं लोकतांत्रिक मानस, लोकतांत्रिक आचरण, लोकतांत्रिक नैतिकता।

आज, जो भी समस्यायें, दुनिया के सामने हैं उनके पीछे इन तीन प्रवृत्तियों का अभाव है। राजनीति अगर काले-धन की कैद में रहेगी तो वह पथ-भ्रष्ट होगी। मानव को बदलने वाली मुख्य शक्तियां राजनीति, मीडिया और धर्म -आज ये सभी पूंजी से नियंत्रित हो रही हैं।

पूंजी, उत्पादन के लिए हो, रोजगार के लिए हो, तकनीक के विकास के लिए हो। परंतु, पूंजी मानव की नियंत्रक नहीं होनी चाहिए। चुनाव सुधारों की आवश्यकता है और चुनाव को ऐसा होना चाहिए ताकि सभी को समान समानता से अवसर मिलें। लोकतंत्र का मतलब केवल एक व्यक्ति का वोट नहीं है बल्कि इसके साथ-साथ चुनाव के समान अवसर भी हैं। लोकतंत्र की सफलता व्यक्तियों के मानस पर निर्भर करती है जैसा समाज होगा-वैसा राज बनेगा और वैसा ही लोकतंत्र।

इन दोनों पुस्तकों का संपादन डॉ शिवा श्रीवास्तव ने किया जिसके लिए रामबहादुर राय ने कहा कि जिस मेहनत एवं खूबसूरती से उन्होंने संपादन कार्य किया है उसके लिए मैं उनको बधाई देता हूँ।

कार्यक्रम का संचालन मीडिया सॉल्यूशंस के नित्यानंद तिवारी ने किया। श्रीमती अनीता सिंह एवं सर्वेश मिश्रा ने अतिथियों का सम्मान किया।

कार्यक्रम में श्रीमती अनिता सिंह, मुकेश चंद्रा, नित्यानंद तिवारी, सर्वेश मिश्रा, सुश्री दीपिका को पुस्तक प्रकाशन तथा कार्यक्रम में उनके योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजनाथ शर्मा, जेड़ के फैजान-एडवोकेट,तिब्बती निर्वासित सरकार के पूर्व उपप्रधानमंत्री श्री आचार्य, मुकेश चंद्रा, प्रो अशोक पंकज, श्याम सुंदर यादव,संतोष भारतीय, अरुण प्रताप सिंह, साहित्यकार राजेंद्र 'राजन', प्रो जयंत तोमर, शिव गोपाल मिश्रा, निरंजन सिंह, दयाशंकर शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार-राजकुमार सिंह, रमेश शर्मा-गांधीवादी, श्रीमती सारिका चौधरी-पार्षद, बृजेश शर्मा, एच. एन. शर्मा, श्रीमती शशि दीक्षित, वीरेंद्र कुशवाहा,डॉ सारिका वर्मा, शिवदयाल, सभाजीत, हर्ष, श्रीमती आशा रानी, विजय वर्मा-एडवोकेट, साहस, राधेश्याम यादव,, जहीरूद्दीन, बलराज मलिक-एडवोकेट,, एस एस नेहरा-एडवोकेट, नरेंद्र पाल वर्मा,डॉ रजनी राठी, सक्सेना जी-आकर प्रकाशन, शशि भूषण ठाकुर, चंद्रपाल सिंह, गुलाब सिंह ठाकुर, राकेश कुमार-पूर्व पार्षद, अभय सिन्हा-जेपी फाउंडेशन, कर्नल राम, के सी पीपल, हीरा लाल, कर्नल ओ पी मलिक, अभय झा, अजय तिवारी पत्रकार, धीरेंद्र सिंह परमार,प्रो हरीश खन्ना, एडवोकेट-ढाका(बागपत), गजेन्द्र रावत, रईसअंसारी, वसीम, ओमवीर उपस्थित रहे।

शिव को बहुत प्रिय है अमरनाथ

एक बार देवी पार्वती ने देवों के देव महादेव से पूछा, ऐसा क्यों है कि आप अजर-अमर हैं लेकिन मुझे हर जन्म के बाद नए स्वरूप में आकर, फिर से बरसों तप के बाद आपको प्राप्त करना होता है? आपके अमर होने के रहस्य क्या हैं? महादेव ने पहले तो देवी पार्वती के उन सवालों का जवाब देना उचित नहीं समझा, लेकिन पार्वती के हठ के कारण कुछ गूढ़ रहस्य उन्हें बताने पड़े।

शिव महापुराण में मृत्यु से लेकर अजर-अमर तक के कई प्रसंग हैं, जिनमें एक साधना से जुड़ी अमरकथा बड़ी रोचक है। जिसे भक्तजन अमरत्व की कथा के रूप में जानते हैं। हर वर्ष हिम के आलय (हिमालय) में अमरनाथ, कैलाश और मानसरोवर तीर्थस्थलों में लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। सैकड़ों किमी की पैदल यात्रा करते हैं, क्यों? यह विश्वास यूं ही नहीं उपजा।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अमरनाथ की गुफा ही वह स्थान है जहां भगवान शिव ने पार्वती को अमर होने के गुप्त रहस्य बतलाए थे, उस दौरान उन दो ज्योतियों के अलावा कोई तीसरा प्राणी वहां नहीं था। न महादेव का नंदी और न हीं उनका नाग, न सिर पे गंगा और न ही गणपति या फिर कार्तिकेय...!

नंदी को पहलगाम पर छोड़ा

गुप्त स्थान की तलाश में महादेव ने अपने वाहन नंदी को सबसे पहले छोड़ा, नंदी जिस जगह पर छूटा, उसे ही पहलगाम कहा जाने लगा। अमरनाथ यात्रा यहीं से शुरू होती है। यहां से थोड़ा आगे चलने पर शिवजी ने अपनी जटाओं से चंद्रमा को अलग कर दिया, जिस जगह ऐसा किया वह चंदनवाड़ी कहलाती है। इसके बाद गंगा जी को पंचतरणी में और कंठाभूषण सर्पों को शेषनाग पर छोड़ दिया, इस प्रकार इस पड़ाव का नाम शेषनाग पड़ा।

अगले पड़ाव पर गणेश छूटे

अमरनाथ यात्रा में पहलगाम के बाद अगला पड़ाव है गणेश टॉप। मान्यता है कि शिव ने एकांत की तलाश में इसी स्थान पर अपने पुत्र गणेश को छोड़ा था। इस जगह को महागुणा का पर्वत भी कहते हैं।

इससे आगे महादेव ने पिस्सू नामक कीड़े को भी त्यागा था। जहां पिस्सू को त्यागा था, उस जगह को पिस्सू घाटी कहा जाता है।

यहां से शुरू होती है शिव-पार्वती की कथा

इस प्रकार महादेव ने अपने पीछे जीवनदायिनी पांचों तत्वों को स्वंय से अलग किया। इसके पश्चात पार्वती संग एक गुफा में महादेव ने प्रवेश किया। कोई तीसरा प्राणी, यानी कोई कोई व्यक्ति, पशु या पक्षी गुफा के अंदर घुसकर कथा को न सुन सके इसलिए उन्होंने चारों ओर अग्नि प्रज्जवलित कर दी। फिर महादेव ने जीवन के गूढ़ रहस्य की कथा शुरू कर दी।

कथा सुनते हुए सो गईं पार्वती, कबूतरों ने सुनी

कहा जाता है कि कथा सुनते-सुनते देवी पार्वती को नींद आ गई। महादेव को यह पता नहीं चला, वह सुनाते रहे। उस समय दो सफेद कबूतर कथा सुन रहे थे और बीचबीच में गूं-गूं की आवाज निकाल रहे थे। महादेव को लगा कि पार्वती सुन रही हैं। दोनों कबूतर सुनते रहे। कथा समाप्त होने पर महादेव का ध्यान पार्वती पर गया तो उन्हें पता चला कि वे तो सो रही हैं। तो कथा सुन कौन रहा था?

उनकी दृष्टि तब उन कबूतरों पर पड़ी तो महादेव को क्रोध आ गया। वहीं कबूतर का जोड़ा उनकी शरण में आ गया और बोला, भगवन हमने आपसे अमरकथा सुनी है। यदि आप हमें मार देंगे तो यह कथा झूठी हो जाएगी। इस पर महादेव ने उन्हें वर दिया कि तुम सदैव इस स्थान पर शिव व पार्वती के प्रतीक की तरह निवास करोगे।

अंततः कबूतर का यह जोड़ा अमर हो गया और यह गुफा अमरकथा की साक्षी हो गई। इस तरह इस स्थान का नाम अमरनाथ पड़ा।

मान्यता है कि आज भी इन दो कबूतरों के दर्शन भक्तों को होते हैं। यहां हर वर्ष इन्हीं दिनों निर्मित होने वाला शिवलिंग किसी आश्चर्य से कम नहीं है।

संकलन: ज्योति राठौर

राशिफल साप्ताहिक

30 जून से 06 जुलाई 2024

मेष: इस सप्ताह अपने सोचे हुए कार्यों को पूरा करने तथा अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिये ज्यादा ही भाग-दौड़ करनी पड़ सकती है। इस सप्ताह आपको भाग्य की बजाय कर्म पर ज्यादा विश्वास करते हुए कड़ी मेहनत करनी होगी। सप्ताह के मध्य में आप परिवार की किसी समस्या को लेकर मानसिक तनाव से गुजरेंगे।

वृषभ: यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो आपको इस सप्ताह कोई बड़ा फैसला जल्दबाजी में करने से बचना चाहिए अन्यथा आपको फायदे की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। इसी तरह भूमि-भवन के क्रय-विक्रय और धन के लेन-देन में खूब सावधानी बरतें।

मिथुन: यह सप्ताह बेहद शुभ रहने वाला है। इस सप्ताह आप जिस काम में हाथ डालेंगे आपको उसी में मनचाही सफलता मिलती नजर आएगी, लेकिन ध्यान रहे कि आप किसी पर आंख-मूंदकर विश्वास न करें और सोच-समझकर ही कोई बड़ा फैसला लें। संतान पक्ष की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

कर्क: इस सप्ताह अपने धन, समय और ऊर्जा तीनों चीजों का प्रबंधन करके चलना होगा अन्यथा उन्हें बेवजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे छात्रों को मनचाहे परिणाम के लिए अधिक परिश्रम की आवश्यकता रहेगी।

सिंह: इस सप्ताह अपने जीवन में बड़ा बदलाव होता देख सकते हैं। यदि आपका कोई काम कहीं लंबे समय से अटक हुआ था तो इस सप्ताह किसी मित्र या प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरा हो जाएगा। सत्ता और सरकार से जुड़े लोगों के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी और आप उनका पूरा लाभ उठाने में कामयाब हो जाएंगे।

कन्या: यह सप्ताह गुडलक लिए हुए है। सप्ताह की शुरूआत से ही आपको जीवन के अलग-अलग क्षेत्र से शुभ समाचार मिलता हुआ नजर आएगा। बहुप्रतीक्षित प्रमोशन या तबादले की कामना पूरी हो सकती है। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। परीक्षा-प्रतियोगिता की तैयारी में जुटे लोगों को मनचाही सफलता मिल सकती है।

तुला: इस सप्ताह अपनी सेहत और शत्रुओं को लेकर खूब सावधान रहने की जरूरत रहेगी। सप्ताह की शुरूआत में मौसमी अथवा किसी पुरानी बीमारी के उभरने के कारण आपको शारीरिक एवं मानसिक कष्ट झेलना पड़ सकता है तो वहीं कार्यक्षेत्र से लेकर निजी जीवन में आपके विरोधी और शत्रु आपके लिए तमाम तरह के संकट पैदा कर सकते हैं।

वृश्चिक: इस सप्ताह दिल से ज्यादा दिमाग का उपयोग करने की आवश्यकता रहेगी। यदि आप भावनाओं में बहकर बगैर सोचे समझे कोई भी कदम उठाते हैं तो आपको खासा नुकसान झेलना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरूआत से ही आप पर तमाम तरह के खर्च बने रहेंगे। अधिक परिश्रम करने के कारण शारीरिक थकान हो सकती है।

धनु: इस सप्ताह सुन्दर वस्तुएं अपनी ओर आकर्षित करेंगी और आप अपने घर की साज-सज्जा पर खासा धन खर्च करेंगे। सप्ताह के उत्तार्ध में आप स्वजनों के साथ मिलबैठ कर किसी बड़ी पारिवारिक समस्या का हल खोजने में कामयाब हो जाएंगे। प्रेम-प्रसंग के लिए यह सप्ताह अनुकूल रहने वाला है। लव पार्टनर के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे।

मकर: यह सप्ताह बेहद ही शुभ रहने वाला है। आप जिस दिशा में प्रयास करें आपको उस दिशा में शुभ परिणाम और सफलता मिलती हुई नजर आएगी। सप्ताह की शुरूआत से ही आपका काम के प्रति पूरा जोश व आत्मविश्वास बना रहेगा। आपको परिश्रम का उचित लाभ प्राप्त मिलता नजर आएगा। कारोबार में वृद्धि एवं लाभ के योग बनेंगे।

कुंभ: सप्ताह के मध्य में अचानक से कुछ एक बड़े खर्च आ सकते हैं जिसके चलते आपका बजट थोड़ा गड़बड़ा सकता है। दूसरों से धन लेने की भी नौबत आ सकती है। सप्ताह के पूर्वार्ध के मुकाबले उत्तरार्ध थोड़ा राहत भरा रह सकता है। इस दौरान आप अपने समय का सदुपयोग करते ही सही दिशा में कार्य करेंगे।

मीन: सप्ताह के उत्तरार्ध में आपको व्यवसाय में खासा लाभ होने के योग हैं। नौकरीपेशा लोगों की भी कार्यक्षेत्र में पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बनेंगे। सीनियर और जूनियर दोनों ही आप पर मेहरबान रहेंगे, नतीजतन आपकी तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। इस दौरान जीवनसाथी से सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है।

दुबई एक अमीरों वाला देश के साथ साथ प्राकृतिक रूप से भी काफी अधिक अमीर हैं। यहां पर कई ऐसे पर्यटन एवं इमारत बने हुए हैं जिसे देखना तकरीबन सभी लोगों का सपना होता है। खासकर दुबई में स्थित बुर्ज खलीफा, बुर्ज अल अरब, मिरेकल गार्डन आदि जैसे कई जगह हैं जिन्हें विजिट करना हर कोई चाहता है। अगर आप भी दुबई घूमने जा रहे हैं तो इन खूबसूरत जगहों को अवश्य विजिट करें। यकीनन आपको बताई गई यह सभी प्रमुख जगह अवश्य पसंद आएगी।

बुर्ज खलीफा

बुर्ज खलीफा का नाम किसने नहीं सुना होगा यह दुबई में स्थित विश्व की सबसे ऊंची इमारत के रूप में जाना जाता है। बताया जाता है कि यह 830 मीटर ऊंचा है के साथ-साथ यह 163 मंजिल का इमारत हैं। इस बुर्ज खलीफा के बारे में ही बताया जाता है कि इसमें लगी लिफ्ट विश्व की सबसे तेज चलने वाली लिफ्ट है। इस बुर्ज खलीफा को बनाने के समय के बारे में बताया जाता है कि तकरीबन 6 साल का इस दुबई के बुर्ज खलीफा को बनने में समय लगा था। आपको बता दें कि दुबई जाने वाला कोई ऐसा पर्यटक नहीं होगा जो इस बुर्ज खलीफा का दीदार करना न चाहता हो। यह बुर्ज खलीफा लोगों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। कुछ लोग तो ऐसे होते हैं जो खासकर इस बुर्ज खलीफा को ही देखने के लिए दुबई जाया करते हैं। अगर आप भी दुबई जा रहे हैं तो इस बुर्ज खलीफा का दीदार किए बिना वापस न आए।

गोल्ड सुक

गोल्ड सुक दुबई के बारे में बताया जाता है कि यह दुनिया की सबसे बड़ी सोने की मंडी है। दुबई ट्रिप पर अगर आप घूमने के लिए गए हैं और आप सोने की खरीदारी करना चाहते हैं तो आप दुबई में स्थित इस गोल्ड सुक को विजिट कर सकते हैं। यहां पर आपको अलग-अलग तरह के बहुत सारे सोने के आभूषण मिल जाएंगे। यहां के सोने के आभूषण को पूरे विश्व में पसंद किया जाता है। सोने की खरीदारी करने के लिए दुबई में स्थित यह जगह काफी प्रसिद्ध एवं अच्छी जगह है।

डेजर्ट सफारी

डेजर्ट सफारी दुबई में काफी प्रसिद्ध हैं। यहां पर घूमने आने वाले पर्यटक डेजर्ट सफारी की ओर खींचे चले आते हैं। दुबई में समुद्री तटों पर शानदार छुट्टियां मनाने के लिए डेजर्ट सफारी एक बेहतरीन है। डेजर्ट सफारी का आनंद उठाने आप अपने दोस्तों के साथ जरूर जाएं। अगर आप दुबई ट्रीप पर जा रहे हैं, तो इस डिजर्ट सफारी का आनंद उठाना न भूले।

दुबई मॉल

दुबई मॉल के बारे में बताया जाता है कि यह विश्व का सबसे बड़ा मॉल है। यह मॉल इतना बड़ा है कि आपको यहां पर कई अलग-अलग कंपनियों के हजारों की संख्या में शोरूम देखने को मिल जाएंगे। दुबई में जितने सारे मॉल हैं उनमें से यही दुबई का प्रमुख मॉल के रूप में जाना जाता है। इस दुबई मॉल को दुबई में शॉपिंग का फेस्टिवल घर के रूप में जाना जाता है। अगर आपको भी मॉल वगैरा घूमना एवं खरीदारी करना पसंद हैं और दुबई ट्रिप के लिए जा रहे हैं तो आप इस दुबई मॉल को विजिट करना न भूले क्योंकि दुबई घूमने जाने वाले तकरीबन हर पर्यटकों द्वारा इस दुबई मॉल को विजिट किया जाता है, जिन्हें शॉपिंग करना पसंद होता है।

रास अल खोर वन्य जीव अभ्यारण

रास अल खोर वन्य जीव अभ्यारण दुबई का एक बेहतरीन जगह के रूप में जाना जाता है। यहां पर जाने के उपरांत आप अनेकों तरह के जीव-जंतु को देख सकते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए बना हुआ है यहां पर लोग शांत वातावरण में अपने जिंदगी के कुछ सुकून पल बिताने के लिए जाया करते हैं। यह जगह अपने परिवार और दोस्तों के साथ घूमने जाने के लिए एक अच्छी जगह है। यहां पर जाने के उपरांत आप फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। यह वन्य जीव अभ्यारण दुबई का एक प्रमुख स्थान के रूप में जाना जाता है।

संकलन: स्वाति चतुर्वेदी

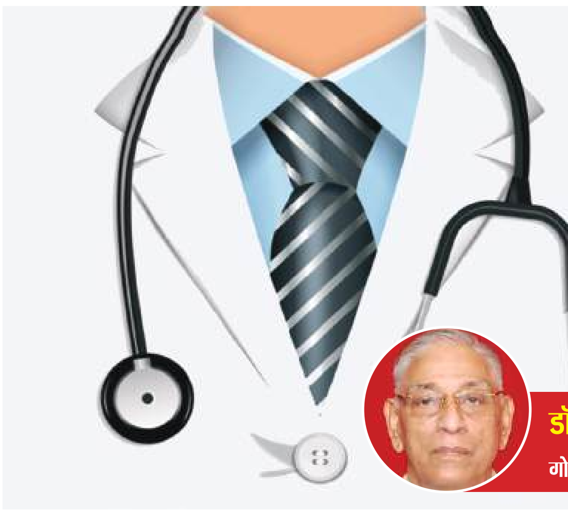

हम आह भी भरते हैं तो...

डॉ. अनिल चतुर्वेदी, चेयरमैन प्रिवेंटिव हैल्थ एवं जीवनशैली रोग
गोयल सुपरस्पेशलिटी एण्ड न्यूरोलॉजी हॉस्पिटल, कृष्णा नगर, दिल्ली दूरभाष : 9810054277

चिकित्सा और साहित्य के क्षेत्र में नेशनल बीसी राय से सम्मानित डा. अनिल चतुर्वेदी को लगभग 55 वर्ष का लेखन का अनुभव है डाक्टर्स डे पर विशेष आलेख एक डाक्टर के दृष्टिकोण से चिकित्सा रोगी और मरीज के बीच के संबंधों पर दृष्टिपात

कैसी विडंबना है कि आज चिकित्सा की प्रतिबद्धता, प्रामाणिकता, प्राथमिकता एवं पारदर्शिता प्रश्नों के घेरे में है? चिकित्सा विज्ञान की अभूतपूर्व सफलता के फलस्वरूप आम आदमी की औसत आयु में वृद्धि ही नहीं हुई है बल्कि वह दीर्घ काल तक सुखी एवं स्वस्थ रह सकता है। संक्रामक रोगों पर विजय प्राप्त की जा चुकी है। पोलियो उन्मूलन अभियान द्वारा देश में पोलियो रोगियों की संख्या नगण्य हो गई है। आधुनिक जीवन-शैली के रोग- मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर आदि पर नियंत्रण के प्रभावी कदम उठाकर इन रोगों से रक्षा की जा सकती है, फिर भी आम जनता की सोच चिकित्सकों के प्रति सम्मानजनक नहीं है। आदर तथा सम्मान के स्थान पर चिकित्सक और रोगी का संबंध अनास्था, अविश्वास तथा आक्रोश में परिणत हो चुका है।

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रोगी चिकित्सक के रोग निदान एवं उपचार पर प्रश्न उठाते हैं, स्पष्टीकरण चाहते हैं तथा विचार-विमर्श करना चाहते हैं। कुछ समय पूर्व तक जिसकी सहज कल्पना नहीं की जा सकती थी एवं जिसे कृतघ्नता समझा जा सकता था, आज रोगी सहज ही चिकित्सक और अस्पताल के विरुद्ध मुकदमा दायर करने के लिए तैयार रहते हैं।

चंद दशक पूर्व तक शायद ही कोई रोगी चिकित्सक के प्रति संदेह एवं अविश्वास की धारणा रखता था, लेकिन आज हम ऐसे समाज में रह रहे हैं, जिसमें पेशेवर समुदायों चिकित्सक, वकील, राजनीतिज्ञों के प्रति अविश्वसनीयता का वातावरण है। यही कारण है कि पेशेवर लोगों की छोटी सी भूल भी बड़ी बना दी जाती है।

हम आह भी भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम,
वो कत्ल भी करते हैं तो चर्चा नहीं होता।

चिकित्सक समाज के प्रति आम जनता की सोच में मोच आ गई है। यही कारण है कि अस्पताल में होनेवाली आकस्मिक दुर्घटना, हिंसा, तोड़-फोड़, लूट-पाट में बदल जाती है, जिस अस्पताल में आपके परिवार का उपचार पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलता रहा हो, वहाँ पर यह अशांति, अव्यवस्था, अनाख्या आखिर क्यों? चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों के प्रति सहनशीलता, समझदारी में हीनता क्यों? क्या ऐसा ही व्यवहार एवं संवेदनहीनता किसी और व्यवसाय, समुदाय एवं अन्याय के प्रति जनता दरशाती है? हम जानना चाहते हैं कि-

1. क्या आपने किसी शिक्षक के प्रति अपशब्द, हिंसा का वातावरण पैदा किया, यदि आपकी पढ़ाई ठीक न हुई हो, अध्यापक मन से न पढ़ा रहा हो या बच्चे के अंक, परीक्षाफल आशानुकूल न रहा हो?
2. क्या आपने वकील के साथ ऐसा व्यवहार किया है, यदि आप मुकदमा हार गए हों और आपको वांछित परिणाम न मिले हों?
3. क्या आपने किसी सरकारी कर्मचारी की पिटाई की, क्योंकि उसने आपका काम करने के लिए रिश्वत माँगी।
4. क्या आपने किसी निचली अदालत के जज के सामने ऐसा हुड़दंग किया, क्योंकि उसका निर्णय हाईकोर्ट ने बदल दिया, लेकिन तब तक आपकी प्रतिष्ठा धूल-धूसरित हो चुकी।
5. क्या आपने किसी जन प्रतिनिधि, विधायक, सांसद को आइना दिखाया कि उनके कितने चुनावी वायदे पूरे हुए?
6. क्या आपने किसी मनोनीत राज्यसभा सांसद, क्रिकेटर अथवा अभिनेत्री को उनके संसदीय दायित्वों के प्रति प्रतिबद्धता का बोध कराया।

यदि उपरोक्त सभी प्रश्नों का उत्तर न है तो यह खोखला प्रदर्शन, यह हिंसा का तांडव चिकित्सकों अथवा स्वास्थ्यकर्मियों पर ही आखिर क्यों?

वर्तमान दौर में सामाजिक मान्यताएँ बिखर रही हैं तथा नैतिक मूल्यों का ह्रास हो रहा है। ऐसे समय में आवश्यकता है कि चिकित्सक जिन विपरीत एवं विषम परिस्थितियों में रोगी के उपचार में तन, मन तथा बहुमूल्य समय लगाता है, उस पृष्ठभूमि का समाज सही आकलन करे। यह तभी संभव है, जब चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से समाज की आकांक्षाएँ और आशाएँ इतनी न बढ़ जाएँ कि हर मरीज चिकित्सक से अपने निरोग होने की गारंटी माँगने लगे। प्रसिद्ध चिकित्सक विलियम औसलर के अनुसार, चिकित्सा अनिश्चितता का विज्ञान तथा संभावनाओं की कला है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसमें रोगी को चिकित्सक की सफलता का भरोसा रहता है। मगर गंभीर रोगियों के अंतिम चरण में उपचार करनेवाले चिकित्सक अकसर ऊहापोह की स्थिति में रहते हैं। बड़े अस्पताल के गहन चिकित्सा-कक्ष में गंभीर रोगी तथा चिकित्सक दोनों ही असहाय, असमर्थ तथा अनिश्चितता के वातावरण में रहते हैं। यदि समाज चिकित्सा की अनिश्चितता की स्थिति का मूल्यांकन कर अपने दृष्टिकोण में यथासंभव परिवर्तन करे, तभी स्वास्थ्य सेवाओं का सही मूल्यांकन हो पाएगा

हम तो अभिशापों से भी वरदान जुटा लेते हैं।
गम में भी खुशी का सामान जुटा लेते हैं,
वे हैं मनहूस जो रोकर जीते हैं
हम तो आँसू से भी मुसकान जुटा लेते हैं।

हमारी समस्या यह है कि हम चिकित्सा विज्ञान की प्रगति को आवश्यकता से अधिक प्रभावकारी समझ रहे हैं तथा इसकी सीमाओं, इसकी वास्तविकता तथा संदर्भ की ओर हमारा ध्यान नहीं है। हमारा ध्यान रोग व उसके उपचार तक ही केंद्रित है, न कि उस रोगी पर जो पीड़ा अथवा दर्द से जूझ रहा है।

हमारी यह धारणा है कि चिकित्सक एक विशेष व्यक्ति है जो सामान्य प्रतिमान द्वारा रोगी का उपचार करता है। हम यह नहीं सोचते कि चिकित्सक भी इनसान है। उसके विश्वास, आकांक्षाएँ, अभिप्राय तथा इच्छाएँ क्या हैं, यह सोचने की हम कोशिश नहीं करते। हम नहीं समझना चाहते कि वह किन विषम एवं विपरीत परिस्थितियों में भाँति-भाँति के विभिन्न गंभीर रोगों से पीड़ित रोगियों के स्वास्थ्य लाभ के लिए बहुमूल्य समय और सोच समर्पित करता है। इन परिस्थितियों में चिकित्सक और रोगी के आपसी संबंध में लगाव और सद्भाव तभी संभव है, जब दोनों में सरसता एवं सहजता से संवाद स्थापित हो। संवाद जीवन का सार है। एक परिपूर्ण संवाद सहयोग तथा विश्वसनीयता को जनम देता है। समाज में स्वस्थ जीवन, सुख और समरसता के लिए रोगी और चिकित्सक के पूर्ण तालमेल द्वारा ही स्वस्थ तथा सुखी समाज का स्वप्न साकार होगा।

आज बड़ी तादाद में विदेशी लोग चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाने के लिए भारत आ रहे हैं। वे मध्य पूर्व, अफ्रीका, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों से दिल या यकृत का इलाज कराने यहाँ आते हैं, क्योंकि ये सुविधाएँ उन देशों में मौजूद नहीं हैं। ब्रिटेन, यूरोप और उत्तरी अमेरिका से भी रोगी भारत आकर सस्ते और अच्छे इलाज का फायदा उठा रहे हैं। ब्रिटेन में कंधे के ऑपरेशन का खर्च दस हजार पौंड आता है। अगर वहाँ यह ऑपरेशन राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा के तहत कराया जाए तो लंबी प्रतीक्षा सूची रहती है, लेकिन यही ऑपरेशन भारत में दस दिन के अंदर केवल 1700 पौंड के खर्चे पर हो जाता है।

आज भारत का स्वास्थ्य परिदृश्य एक गहरे अंतर्विरोध का शिकार हो गया है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। हाल के वर्षों में भारत में निजी चिकित्सा क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रगति की है। इस मामले में भारत की गिनती दुनिया के 20 सबसे बड़े देशों में की जाने लगी है। जी.डी.पी. के 4.2 प्रतिशत के बराबर निजी स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च हो रहा है, लेकिन विडंबना यह है कि दूसरी तरफ सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर होनेवाला खर्च सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) का महज 0.9 प्रतिशत रह गया है। 1991 में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं पर जी.डी.पी. का 1.3 प्रतिशत खर्च किया जाता था। उसी वर्ष आर्थिक सुधार कार्यक्रम शुरू किया गया था। तब से यह खर्च घटता जा रहा है।

स्वास्थ्य बीमा केवल 5-10 प्रतिशत लोग ही करा पाते हैं और 82 प्रतिशत लोग खुद ही अपने इलाज पर खर्च करते हैं। नतीजतन अस्पतालों में उपचार हेतु 40.1 प्रतिशत से अधिक रोगियों को उधार का सहारा लेना पड़ता है या अपनी जमीन-जायदाद गिरवी रखनी या बेचनी पड़ती है। 25 प्रतिशत किसान इसी वजह से गरीबी रेखा के नीचे चले गए हैं। हालाँकि अभी निजी स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति लोगों में संदेह और भय है, उन्हें लगता है कि रोग निदान के लिए डॉक्टर जरूरत से ज्यादा टेस्ट करवाते हैं, लेकिन फिर भी 85 प्रतिशत भारतीय आज भी निजी क्षेत्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का फायदा उठाते हैं। उदारीकरण, शहरीकरण तथा मध्यवर्गीय उपभोक्ताओं की तादाद में बढ़ोतरी के चलते निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा फैलता गया है। निजी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएँ सार्वजनिक चिकित्सा सेवा की नाकामी के चलते फल-फूल रही है। सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार जनसंख्या में बढ़ोतरी के अनुपात में नहीं हो सका, इसलिए सरकारी अस्पतालों में रोगियों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। गंदगी, भीड़भाड़ और संक्रामक रोगियों की लंबी कतार के कारण आम रोगी निजी सेवाओं की ओर जाने के लिए मजबूर हैं। सरकारी अस्पतालों में विशेष परीक्षण तथा दवाएँ उपलब्ध नहीं होतीं, इसलिए रोगी भी प्राइवेट नर्सिंग होम में जाते हैं। ट्रांसपैरेंसी इंटरनैशनल संस्था द्वारा कराए गए सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी अस्पतालों में 30 प्रतिशत रोगियों ने दावा किया कि उन्हें कर्मचारियों को रिश्वत देनी पड़ती है।

निजी क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर केवल पारिवारिक निजी चिकित्सक ही महत्त्वपूर्ण होता था। बहुत से गैर-सरकारी अस्पताल धार्मिक संस्थानों द्वारा चलाए जाते थे, जिनका मुख्य उद्देश्य सेवा था। लेकिन समय के साथ रोग-निदान और उपचार में नई तकनीक का दखल बढ़ता गया। धार्मिक ओर पारिवारिक निजी चिकित्सा का क्षेत्र सिकुड़ता गया। औषधि निर्माता, उद्योगपति और कॉरपोरेट संस्कृति ने स्वास्थ्य सेवाओं पर अपना दबदबा कायम किया। निजी क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं और कॉरपोरेट ढाँचे को सरकारों ने भी बढ़ावा दिया

आज भारत में चिकित्सा-पर्यटन एक अरब डॉलर का व्यवसाय बन गया है। इस मकसद से सरकार ने निजी स्वास्थ्य बीमा योजना और अंतरराष्ट्रीय स्तर के अस्पतालों को प्रोत्साहन देने के लिए वित्तीय और व्यवस्थागत बदलाव किए हैं, लेकिन इस देश में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली अपने ही लोगों को चिकित्सा सेवा उपलब्ध नहीं करा पाई है। सबके लिए स्वास्थ्य का नारा केवल सपना बनकर रह गया है। आज जरूरी है कि सरकार की पहली प्राथमिकता सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए अधिक धनराशि उपलब्ध कराने की हो। सबके लिए सेहत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब दोनों क्षेत्र सहयोग, सद्भाव और समर्पण की भावना से साझीदार बनें। चिकित्सक समाज के दृष्टिकोण को शायर के इस कथन से बल मिलेगा।

न जिए दूसरों के लिए, कोई गम नहीं
जीने दे दूसरों को यह भी कम नहीं। ●

महामहिम राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने डॉ. अनिल चतुर्वेदी को राष्ट्रीय बीसी रॉय पुरस्कार चिकित्सा एवं साहित्य 2016 से सम्मानित किया

टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 68 रनों से रौंदा

॥ पुलकित चतुर्वेदी ॥

लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल (23 रन पर तीन विकेट) और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव (19 रन पर तीन विकेट) की घातक स्पिन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड को टी 20 विश्व कप के दूसरे सेमीफाइनल में 68 रन से रौंद कर 2022 के सेमीफाइनल में इंग्लैंड से मिली हार का बदला चुका लिया और फाइनल में प्रवेश कर लिया।

भारत ने टॉस हारने के बाद कप्तान रोहित शर्मा (57) के लगातार दूसरे अर्धशतक की बदौलत वर्षा प्रभावित दूसरे सेमीफाइनल में 20 ओवर में सात विकेट पर 171 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बना लिया और फिर गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से इंग्लैंड को 16.4 ओवर में 103 रन पर ढेर कर दिया। अक्षर और कुलदीप के तीन-तीन विकेट के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने 12 रन पर दो विकेट झटके। इंग्लैंड के दो बल्लेबाज रन आउट हुए। अपने पहले तीन ओवर में पहली गेंद पर एक-एक विकेट लेने वाले पहले अक्षर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

इससे दमदार जीत किसी नॉकआउट मैच में और क्या ही होगी? भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कठिन पिच पर एक अच्छा स्कोर खड़ा कर दिया था और फिर बाकी काम उनके स्पिनर्स ने कर दिया। अक्षर ने इंग्लैंड को पावरप्ले में तीन झटके दिए और वे फिर इन झटकों से कभी उबर ही नहीं पाए। भारतीय टीम लगभग आठ महीने के अंदर ही दूसरी बार आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची है।

इंग्लैंड की तरफ से कप्तान जोस बटलर ने 23, हैरी ब्रूक ने 25 और जोफ्रा आर्चर ने 21 रन बनाये। लियाम लिविंगस्टोन 11 रन बनाकर रन आउट हुए।

इससे पहले बारिश के कारण टॉस में विलम्ब हुआ। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। धीमी गति और कम उछाल वाली पिच पर भारत ने पावर-प्ले के अंदर विराट कोहली और ऋषभ पंत के विकेट गंवा दिए। भारतीय पारी के दौरान फिर बारिश आने से खेल रुका। तब तक भारत ने आठ ओवर में 65/2 रन बना लिए थे।

मुकाबले के लिए धीमी पिच पर स्पिनरों के खिलाफ शॉट लगाना बिल्कुल आसान नहीं था। गेंद टर्न ले रही थी । दोहरा उछाल था। साथ ही तेज गेंदबाजों को भी भले ही ज्यादा मूवमेंट नहीं मिल रहा था लेकिन कई गेंदें नीची रह रही थीं। भारत एक सम्मानजक स्कोर तक पहुंच गया।

कप्तान रोहित ने लगातार दूसरा अर्धशतक ठोका। उन्होंने 39 गेंदों पर 57 रन में छह चौके और दो छक्के लगाए। रोहित ने सूर्यकुमार यादव के साथ तीसरे विकेट के लिए 73 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। सूर्या ने 36 गेंदों पर 47 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए। हार्दिक पांड्या ने 13 गेंदों पर 23 रन में एक चौका और दो छक्के लगाए। रवींद्र जडेजा ने नाबाद 17 और अक्षर पटेल ने 10 रन बनाकर भारत को 171 रन तक पहुंचाया जो मैच विजयी साबित हुआ। इंग्लैंड की तरफ से क्रिस जॉर्डन ने तीन विकेट लिए जबकि रीस टॉप्ली, जोफ्रा आर्चर, आदिल रशीद और सैम करन को एक-एक विकेट मिला।

कपिल सर्वसम्मति से पीजीटीआई के अध्यक्ष चुने गए

भारत को अपनी कप्तानी में 1983 में पहली बार विश्व कप जीत दिलाने वाले महान क्रिकेटर कपिल देव को सर्वसम्मति से प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) का अध्यक्ष चुन लिया गया है।

कपिल 2021 में बोर्ड सदस्य बने थे और पीजीटीआई के उपाध्यक्ष के रूप में भी काम कर चुके हैं। वह एच आर श्रीनिवासन से यह जिम्मेदारी संभालेंगे जिनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है।

65 वर्षीय कपिल ने कहा,''भारतीय प्रो गोल्फर्स पिछले कुछ वर्षों से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आज हमारे पास सभी बड़े टूर में भारतीय प्रो शामिल हैं और लगातार तीसरी बार ओलंपिक में हमारे दो गोल्फर उतरेंगे। हमारा टूर काफी मजबूत है और हम उम्मीद करते हैं कि अगले कुछ वर्षों में हम और भी मजबूत बनकर उभरेंगे।''

उन्होंने पीजीटीआई कैलेंडर में एक आकर्षक टूर्नामेंट कपिल देव ग्रांट थोर्नटन इंविटेशनल टूर्नामेंट शुरू किया है जिसकी पुरस्कार राशि दो करोड़ रुपये (लगभग 240,000 डॉलर) है।

वर्ल्ड टेनिस लीग सत्र 3 दिसम्बर में अबू धाबी लौटेगा

अबू धाबी स्पोर्ट्स काउंसिल वर्ल्ड टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) के तीसरे सत्र की मेजबानी करने के लिए तैयार है जो ऐतिहासिक एतिहाद एरेना में 19 से 22 दिसम्बर तक आयोजित होगा।

शानदार संगीत प्रदर्शन के साथ विशिष्ट टेनिस के मिश्रण के लिए मशहूर, डब्ल्यूटीएल के दूसरे सीजन ने महत्वपूर्ण लोकप्रियता और वैश्विक मीडिया मूल्य हासिल किया था। चार दिवसीय कार्यक्रम में दानिल मेदवेदेव, स्टेफानोस सितसिपास,आंद्रेई रुब्लेव, आर्यना सबालेंका, इगा स्वियाटेक और एलेना रिबाकिना जैसे वैश्विक टेनिस आइकन के साथ-साथ वैश्विक चार्ट-टॉपर्स 50 सेंट, एकॉन और ने-यो ने दर्शकों को कोर्ट के अंदर और बाहर मंत्रमुग्ध कर दिया था। पीबीजी ईगल्स, जिसमें दानिल मेदवेदेव,आंद्रेई रुब्लेव, मीरा एंड्रीवा और सोफिया केनिन शामिल हैं, डब्ल्यूटीएल 2023 के चैंपियन के रूप में उभरे। सीजन 2 में 20,000 से अधिक उपस्थिति हुई और 125+ देशों में इसका सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें विश्व स्तरीय कलाकारों ने एतिहाद एरिना में प्रदर्शन किया। अच्छी तैयारी के साथ, अबू धाबी एक बार फिर 'ग्रेटेस्ट शो ऑन कोर्ट' की मेजबानी के लिए तैयार कर रहा है। टेनिस सितारों की शानदार सूची की घोषणा जल्द ही की जाएगी। अबू धाबी स्पोर्ट्स काउंसिल, संस्कृति और पर्यटन विभाग (डीसीटी) और मिरल, विश्व टेनिस लीग का समर्थन करने के लिए अपनी तीन साल की प्रतिबद्धता जारी रखे हुए हैं।

हॉप्स ने एमिटी की उम्मीद तोड़ी-खिताब नोएडा सिटी के नाम

हॉप्स एफसी ने निर्णायक मुकाबले में खिताब की प्रबल दावेदार एमिटी इंडियन नेशनल फुटबाल क्लब को 4- 2 से हराया तो नोएडा सिटी एफसी ने डीएसए की ए डिवीजन लीग का चैंपियन होने का गौरव पा लिया। इस उपलब्धि को पाने के लिए नोएडा सिटी को न सिर्फ कड़ा पसीना बहाना पड़ा, बल्कि एमिटी और हॉप्स के मध्य खेले गए अंतिम मैच के परिणाम का इंतजार भी करना पड़ा, जिसमें हॉप्स ने अप्रत्याशित परिणाम निकालते हुए एमिटी के अरमानों पर पानी फेर दिया। डीएसए ए डिवीजन लीग के सुपर सिक्स मुकाबले खासे रोमांचक रहे। लीग के निर्णायक मैच में एमिटी को हॉप्स के विरुद्ध हर हाल में जीत की जरूरत थी लेकिन उसे हार का सामना करना पड़ा। नोएडा सिटी एफसी ने एम 2 एम

को 4 -0 से हरा कर कुल 12 अंक जुटा लिए। विजेता के लिए दिविज सिंह ने दो , वाजिद अली और मनीष सुयाल ने एक-एक गोल जमाए।

चैंपियन बनने के लिए अब एमिटी को अपना आखिरी मैच जीतना जरूरी था लेकिन उसके खिलाड़ी ऐसा नहीं कर पाए। हॉप्स ने मैच 4 - 2 से जीत लिया। अंतिम मैच में हॉप्स के हाथों मिली हार के चलते एमिटी नोएडा सिटी के बाद दूसरे स्थान पर फिसल गई। तीसरा स्थान नॉर्दन यूनाइटेड एफसी को मिला जिसने अपने पांचवें और अंतिम मुकाबले में जगन्नाथ, पाओमिचोन, फैजान खान और थमजोलीन के गोलों से बंगदर्शन को 4 -1 से परास्त किया। गगन ने पराजित टीम का गोल जमाया।

अंतिम दिन नेहरू स्टेडियम के गेट 13 मैदान पर खेले गए निर्णायक मैच में जमकर तमाशेबाजी हुई। एमिटी के कोच हंसराज को रेफरी लक्ष्य द्वारा लाल कार्ड दिखाया जाना , हंसराज का पलटवार करना, रेफरी द्वारा हॉप्स के पक्ष में दो पेनल्टी देना और अंततः एमिटी के समर्थकों द्वारा चैंपियन नोएडा सिटी के खिलाड़ियों को बीच मैदान में पीटना शर्मनाक रहा।

स्टिमैक के आरोपों पर एआईएफएफ ने कड़ा बयान जारी किया

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने भारतीय मीडिया को अपने अंतिम संबोधन के दौरान इगोर स्टिमैक द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए एक बयान जारी किया है। उनके अनुबंध और समाप्ति खंड की अनुपस्थिति के बारे में बहुत सारी बातें हुईं, जिससे प्रशंसक वर्ग में खलबली मच गई। एआईएफएफ ने अब कहा है कि स्टिमैक के अनुबंध में अंतिम राशि कोर कमेटी की मंजूरी के बिना दी गई थी।

एआईएफएफ द्वारा दिए गए बयान में कहा गया है,"एआईएफएफ के वर्तमान नेतृत्व ने सितंबर 2022 में कार्यभार संभाला था, उस समय स्टिमैक पहले से ही तीन साल से अधिक समय से इस पद पर थे। जब अक्टूबर 2023 में उनका अनुबंध नवीनीकरण के लिए आया, तो एआईएफएफ की कोर कमेटी की अध्यक्षता में उपाध्यक्ष एन.ए. हारिस ने पहले ही मुलाकात की और एआईएफएफ को प्रस्ताव दिया कि स्टिमैक को जनवरी 2024 से 30,000 अमेरिकी डॉलर के मासिक वेतन के साथ दो साल के अनुबंध की पेशकश की जा सकती है और कानूनी टीम को अनुकूल समाप्ति खंड के साथ अनुबंध को अंतिम रूप देने का निर्देश दिया जा सकता है।"

बयान के अनुसार, स्टिमैक के नए अनुबंध के विवरण को कोर कमेटी की मंजूरी के बिना अंतिम रूप दिया गया और संशोधित किया गया। नए अनुबंध में यह निर्धारित किया गया कि स्टिमैक का अनुबंध फरवरी 2025 तक प्रति माह 30,000 अमेरिकी डॉलर का था और फरवरी 2024-जनवरी 2026 तक इसे बढ़ाकर 40,000 अमेरिकी डॉलर कर दिया गया, 'उक्त राशि के लिए कोर कमेटी की मंजूरी के बिना'

बयान में कहा गया है, तत्कालीन महासचिव और एआईएफएफ कानूनी सलाहकार ने बातचीत की और इसे अंतिम रूप दिया और तत्कालीन महासचिव ने स्टिमैक के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। निष्पादित अनुबंध में फरवरी 2024 से जनवरी 2025 तक प्रति माह 30,000 अमेरिकी डॉलर (कोर समिति द्वारा अनुमोदित) और फरवरी 2024 से जनवरी 2026 तक प्रति माह 40,000 अमेरिकी डॉलर (उक्त राशि के लिए कोर समिति की मंजूरी के बिना) वेतन वृद्धि का प्रावधान है। अनुबंध निष्पादित करने से पहले एआईएफएफ के अनुकूल समाप्ति खंड डालने के संबंध में विशिष्ट निर्देशों का भी पालन नहीं किया गया। हालाँकि, कारणवश समाप्ति के कुछ खंड अनुबंध में बरकरार रखे गए थे।

एआईएफएफ ने कहा कि स्टिमैक अपने कोचिंग कार्यकाल से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे और 6 जून को कुवैत के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण फीफा विश्व कप क्वालीफायर पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित नहीं कर रहे थे, जो टीम के साथ सुनील छेत्री का अंतिम मैच भी था।

बयान में आगे कहा गया, "ऐसा प्रतीत होता है कि स्टिमैक भारतीय राष्ट्रीय टीम के हालिया इतिहास के शायद सबसे महत्वपूर्ण मैच के लिए टीम की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अपने कोचिंग कार्यकाल को अपने अनुकूल तरीके से समाप्त करने के लिए विशेष कारण खोजने के बारे में अधिक चिंतित थे।"

रेड ऑउटफिट में तमन्ना भाटिया ने शेयर की ग्लैमरस तस्वीरें

साउथ सुंदरी तमन्ना भाटिया का बड़ा ही सेक्सी अवतार देखने को मिला। तमन्ना ने रेड कलर का ऑउटफिट पहना हुआ था, जिसमें वह बड़ी ग्लैमरस लग रही थीं। जेलर के ऑडियो लॉन्च इवेंट पर सबकी नजरें उन्हीं पर अटकी हुई थी। अभिनेत्री ने बीते दिन की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पर शेयर की है। अभिनेत्री की इन तस्वीरों ने उनके चाहनेवालों के दिल धड़का दिए हैं।

तमन्ना भाटिया ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में, अभिनेत्री रेड कलर का ऑउटफिट पहने नजर आ रही हैं, जो साड़ी जैसा दिख रहा है। रेड कलर का ये ऑउटफिट तमन्ना की स्किन टोन पर काफी सुन्दर लग रहा है। ऊपर से अभिनेत्री की दिलकश अदाएं लोगों पर कहर ढा रही हैं। अभिनेत्री की इन ग्लैमरस तस्वीरों ने इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है। फैंस इन्हें देखकर आहें भरते नजर आ रहे हैं। कमेंट सेक्शन में यूजर्स तमन्ना की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अंडमान-निकोबार में 'सूर्या 44' की शूटिंग कर रही हैं पूजा हेगड़े

इन दिनों एक्ट्रेस पूजा हेगड़े अपनी अपकमिंग फिल्म 'सूर्या 44' की शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में हैं।

एक सूत्र ने बताया कि पूजा जून की शुरूआत में शूटिंग के लिए अंडमान और निकोबार गई थीं और जुलाई के पहले सप्ताह में उनके वापस लौटने की उम्मीद है। पूजा वहां शेड्यूल का एक बड़ा हिस्सा शूट करेंगी।

एक्ट्रेस फिल्म निमार्ता कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित 'सूर्या 44' में मुख्य भूमिका निभाती दिखाई देंगी। पूजा के अलावा फिल्म में जयराम, जोजू जॉर्ज और करुणाकरण भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

सूत्र ने कहा, "पूजा फिल्म में मुख्य महिला की भूमिका निभा रही हैं जो कहानी को आगे बढ़ाती है और वह इसमें बहुत अलग लुक में भी दिखाई देंगी।"

फिल्म का साउंडट्रैक 'पिज्जा', 'जिगरथंडा', 'इरुथी सुत्रु', 'साला खडूस', 'इरावी', 'गुलु गुलु' और 'अन्वेशीपिन कंडेथुम' जैसी फिल्मों के लिए संगीत देने वाले संतोष नारायणन का है। उन्होंने अमिताभ बच्चन, कमल हासन, प्रभास और दीपिका पादुकोण अभिनीत आगामी फिल्म 'कल्कि 2898 ई.' में भी काम किया है।

'सूर्या 44' के अलावा पूजा, शाहिद कपूर के साथ 'देवा' और अहान शेट्टी के साथ 'सनकी' में भी नजर आएंगी। इसके अलावा उन्होंने साउथ के एक बड़े प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन फिल्मों का करार भी किया है।

पूजा ने 2012 में जीवा अभिनीत मैसस्किन की तमिल सुपरहीरो फिल्म 'मुगामूडी' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'ओका लैला कोसम' में अभिनय किया। इसके बाद उन्होंने 2014 में सिंधु घाटी सभ्यता पर आधारित ऋतिक रोशन की 'मोहनजोदाड़ो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

2021 में एक्ट्रेस को फोर्ब्स इंडिया के साउथ सिनेमा में इंस्टाग्राम पर सबसे प्रभावशाली सितारों में सातवें स्थान पर रखा गया था।

एक्ट्रेस को पिछली बार सलमान खान अभिनीत 'किसी का भाई किसी की जान' में देखा गया था, जिसमें शहनाज गिल, राघव जुयाल और पलक तिवारी जैसे कलाकार भी थे।

• डॉ. अशोक चतुर्वेदी, दुबई

बारिश में भी आयरनमैन रेस के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं सैयामी खेर

मानसून के मौसम में खुद को फिट रख पाना सबसे बड़ा चैलेंज बन जाता है। इस मौसम में बारिश की वजह से बाहर निकल पाना मुश्किल हो जाता है। मुंबई की मानसून के बीच भी फिटनेस फ्रीक बॉलीवुड एक्ट्रेस सैयामी खेर आयरनमैन रेस के लिए ट्रेनिंग में जमकर पसीना बहा रही हैं।

सैयामी एक्टिंग के अलावा रेसिंग के लिए भी जानी जाती हैं। वह दुनिया भर के कई रेसिंग कंपटीशन में हिस्सा ले चुकी हैं।

वह 15 सितंबर को जर्मनी में होने वाली आयरनमैन ट्रायथलॉन में हिस्सा लेंगी।

सैयामी ने कहा, "मेरी हमेशा से ही स्पोर्ट्स में दिलचस्पी रही है। मैंने दो फुल मैराथन और 20 से ज्यादा हाफ मैराथन में हिस्सा लिया है। इसलिए मेरा अगला लक्ष्य आयरनमैन है। स्पोर्ट्स मुझे दिमागी तौर पर मजबूत बनाता है। यह दिमाग को शांत करने का मेरा तरीका है।"

उन्होंने कहा, "मैं मुंबई में रहती हूं, और यह मानसून का मौसम है। मैं मौसम के चलते दौड़ना बंद नहीं कर सकती, क्योंकि रेस मात्र तीन महीने दूर है। मौसम मेरी मेहनत में रुकावट नहीं बनेगा। मुझे वास्तव में बारिश में दौड़ना और तैरना पसंद है। मुझे बारिश के मौसम में खाली सड़कें भी पसंद है!"

सैयामी की ट्रेनिंग में इनडोर और आउटडोर एक्सरसाइज शामिल हैं। वह अपने रनिंग सेशन के लिए बारिश के बावजूद बाहर निकलती हैं जबकि स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और साइकिलिंग के लिए इनडोर फैसिलिटी का इस्तेमाल करती हैं।

अपकमिंग प्रोजेक्ट के बारे में बात करें तो सैयामी जल्द ही सनी देओल के साथ तेलुगु फिल्म निमार्ता गोपीचंद मालिनेनी की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगी। फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं किया गया है, इसे फिलहाल 'एसजीडीएम' नाम दिया है।

गोपीचंद मालिनेनी तेलुगु सिनेमा में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 'डॉन सीनू', 'बालुपु', 'पंडगा चेस्को', 'विनर', 'बॉडीगार्ड' और 'क्रैक' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है।

इसके अलावा, सैयामी ताहिरा कश्यप द्वारा निर्देशित 'शर्मा जी की बेटी' में भी काम कर रही हैं। इसकी कहानी तीन महिलाओं साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर के इर्द-गिर्द घूमती है। तीनों ही अपनी जिंदगी में अपने वजूद की तलाश कर रही हैं। फिल्म में वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन डबास भी अहम रोल में हैं।

सैयामी को इससे पहले आर. बाल्की द्वारा निर्देशित स्पोर्ट्स ड्रामा 'घूमर' में देखा गया था। इस फिल्म में शबाना आजमी, अभिषेक बच्चन और अंगद बेदी भी हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **विजयशंकर चतुर्वेदी** द्वारा ए.जी.एस. पब्लिकेशन एफ-23 सेक्टर-6 नोएडा (यू.पी.) से मुद्रित एवं एच-42, लक्ष्मीनगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित
संपादक : **विजयशंकर चतुर्वेदी**, दूरभाष नं. 011-49038655, 011-49073192 मो. 9811063789, 9211152380 (डीएवीपी एवं दिल्ली सरकार से विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त)
प्रकाशन: प्रत्येक सप्ताह रविवार **पोस्टिंग:** प्रत्येक सप्ताह मंगलवार एवं बुधवार E-mail: rashtratimesnewspaper@gmail.com, www.rashtratimes.com rashtratimes